



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-303 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति मेंउरई (जालौन) गुरुवार 15 अक्टूबर 2026youngbharatepaper.com

सीएम योगी ने संभाली कमान, अखिलेश ने बदले प्रत्याशी, तीन वजह, जिससे अहम हो गया एमएलसी चुनाव



(यंग भारत न्यूज़)

प्रदेश में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हो रहे विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव बेहद अहम हो गए हैं। शिक्षक और स्नातक कोटे के केवल 11 सीटों पर हो रहे चुनाव के लिए भाजपा और सपा दोनों तरफ से ताकत झोंकी दी गई है।

खुद सीएम योगी ने भाजपा के लिए चुनाव की कमान संभाल ली है। भाजपा के एमएलसी प्रत्याशियों को जिताने के लिए मुख्यमंत्री की लगातार तीसरी जनसभा आज हो रही है। सोमवार को गोरखपुर, मंगलवार को बरेली के बाद आज बुधवार को वाराणसी में सीएम योगी



एमएलसी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगेंगे। माना जा रहा है कि 23 को होने वाली वोटिंग से पहले अन्य सीटों पर भी सीएम की जनसभा होगी। समाजवादी पार्टी ने विधानसभा चुनाव की तरह विधान परिषद में भी अंतिम समय में दो प्रत्याशियों को बदलकर बता दिया है कि यह चुनाव उनके लिए भी कितना महत्वपूर्ण है। समाजवादी पार्टी की तरफ से भी तमाम नेता और पदाधिकारी अपने प्रत्याशियों के पक्ष में जिले-जिले जुटे हुए हैं। अखिलेश यादव भी बैठकों के जरिए रणनीति बनाने में जुटे हैं। पहली बार सपा-भाजपा दोनों तरफ से इस चुनाव को लेकर इतनी गंभीरता दिखाई जा रही है। इस गंभीरता के पीछे तीन अहम कारण हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली जीत के

बाद से ही सपा उत्साहित है। उसे एक तरह से इस जीत ने भाजपा पर मनोवैज्ञानिक बढ़त दिला दी है। सपा की इसी बढ़त को खत्म करने के लिए विधानसभा चुनाव से पहले एमएलसी का चुनाव जीतना भाजपा के लिए अहम हो गया है। पिछली बार भाजपा ने 11 में से छह सीटें जीती थीं। इस बार उसकी कोशिश उससे ज्यादा सीटों पर कब्जे की है। दूसरी ओर सपा किसी भी तरह लोकसभा तक बनाए रखना चाहती है। ऐसे में उसे भी एमएलसी में जीत चाहिए। एमएलसी चुनाव को विधानसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट माना जा रहा है। इस चुनाव में सीटें भले ही केवल 11 हैं लेकिन तीन अहम वजहें इसे खास बना रही हैं। पहली वजह ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव है। बैलेट से हो रहे चुनाव में अगर भाजपा जीतती है तो सपा और विपक्ष के ईवीएम वाले नैरेटिव को ध्वस्त करने में मदद

मिलेगी। दूसरी तरफ, अगर सपा जीती तो ईवीएम पर लगाए जा रहे आरोपों को बल देगी और भाजपा के साथ चुनाव आयोग के खिलाफ खुले मोर्चे को विधानसभा चुनाव तक लेकर जाएगी। दूसरी वजह इस चुनाव के वोटर हैं। इस चुनाव में वोट केवल शिक्षक और स्नातक यानी पढ़े-लिखे ऐसे लोग देंगे जिन्हें शायद बरगलाया नहीं जा सकता है। माना जाता है कि ऐसे लोग ही समाज को दिशा देने का भी काम करते हैं। इन लोगों का समर्थन किसी भी पार्टी के पक्ष में होना अपने आप में अहम हो जाता है। जो भी जीता वह कह सकता है कि देश का बुद्धिजीवी और पढ़ा-लिखा वर्ग उसके साथ है। तीसरी वजह सबसे अहम है। 11 सीटों पर हो रहे चुनाव के वोटर केवल 11 जिलों के नहीं हैं। परिचम से पूर्व तक इसके वोटरों का फैलाव है। एक तरह से इन 11 सीटों पर सभी 75 जिले कवर हो जाते हैं। ऐसे में इस चुनाव को विधानसभा चुनाव का मूड या सर्वेक्षण भी माना जाएगा। इसमें मिली जीत दोनों ही दलों को विरोधी पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने में भी मदद देगी। एमएलसी की 11 सीटों 5 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव हो रहा है।

यूपी में 3 माह के भीतर होंगे पंचायत चुनाव, ग्राम प्रधान बने रहेंगे प्रशासक: हाईकोर्ट

(यंग भारत न्यूज़)

प्रयागराज: इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रदेश में तीन माह में पंचायत चुनाव कराने का निर्देश दिया है. इस बीच कोर्ट ने ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने के निर्णय को सही ठहराते हुए उनको प्रशासक के तौर पर काम करते रहने की अनुमति दी है.

कई याचिकाओं पर एक साथ हुई सुनवाई: पंचायत चुनाव को लेकर प्रधान पीठ और लखनऊ खंडपीठ में कई याचिकाएं दाखिल की गई थी. कोर्ट ने इस सभी याचिकाओं को एक साथ संबद्ध करते हुए सुनवाई की.

न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ यह आदेश दिया. राज्य सरकार की ओर से परिसीमन का हवाला देकर चुनाव टालने की दलील दी गई. क्या है पूरा मामला: याचिका में यूपी पंचायत राज अधिनियम 1947 की धारा 12(3-ए) का हवाला देकर चुनाव टालने और प्रधानों को प्रशासक के रूप में काम जारी रखने की अनुमति देने के राज्य सरकार के 25 व



26 मई के आदेशों को चुनौती दी गई है. कहा गया कि वर्ष 2000 में प्रेम लाल पटेल के मामले में हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच पहले ही इस धारा को संविधान के अनुच्छेद 243ई और 243के का उल्लंघन मानते हुए असंवैधानिक करार दे चुकी है. राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि आयोग चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार है और 10 जून को मतदाता सूची भी प्रकाशित की

जा चुकी है लेकिन राज्य सरकार द्वारा जरूरी व्यवस्थाएं न मिलने के कारण चुनाव कराने में बाधा आ रही है. कोर्ट ने प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने के फैसले को सही माना. अदालत का कहना था कि ओबीसी कमीशन अपना काम करता रहेगा. फिलहाल 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान लागू रहेगा. कोर्ट ने तीन माह में चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने का निर्देश दिया है.

देशभर में चर्चित नीले ड्रम वाले हत्याकाण्ड का फैसला

कातिल मुस्कान और साहिल को फांसी, मेरठ नीला ड्रम हत्याकांड में सजा का ऐलान

चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड में सजा का ऐलान हो गया है. इस हत्याकांड की दोषी मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा हुई है. जिला जेल से दोनों आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया था. कोर्ट ने पति की हत्या कर उसके शव को नीले ड्रम में छिपाने के आरोपी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल को लेकर फांसी की सजा का ऐलान कर दिया है. अदालत ने दोनों को जघन्य अपराधी माना है. इस वजह फांसी की सजा दी है. साथ ही कोर्ट ने 50 हजार और 20 हजार का जुर्माना भी लगाया. कोर्ट ने महाभारत का वर्णन देते हुए कहा कि अपराधी को अपराध की सजा देना भी धर्म का काम है. अपराध के अनुरूप सजा मिलनी चाहिए. बता दें कि यह

फैसला पूरे देश में एक नजिर बनेगा. ऐसे कृत्यों की बाढ़ आ रही थी. इससे उस पर लगाम लगेगी. अपराध की गंभीरता और भयावहता को देखते हुए यह ऐतिहासिक फैसला है. इस चर्चित हत्याकांड में कोर्ट ने आरोपी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल को 30 सितंबर को दोषी ठहराया था. जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा ने यह फैसला सुनाया था. वहीं सजा को लेकर 14 अक्टूबर की तारीख तय की गई थी. बता दें कि सौरभ राजपूत हत्याकांड में जुलाई 2025 में ट्रायल शुरू हुआ था. इस दौरान लगभग 13 महीनों तक चली कोर्ट बहस में 126 तारीखों के दौरान 22 से ज्यादा गवाहों के बयान दर्ज किए गए. मृतक सौरभ राजपूत के परिवार ने कोर्ट से दोनों आरोपियों को फांसी की सजा देने की गुहार



लगाई थी. मृतक सौरभ राजपूत के भाई राहुल का कहना था कि हम शुरू से यही उम्मीद लगाए हुए थे कि हमें इंसाफ मिलेगा. हमने शुरू से एक ही मांग रखी है कि जो उन्होंने हमारे भाई के साथ किया, वो उनके साथ हो. 30 सितंबर को कोर्ट ने ठहराया था दोनों को दोषी इस चर्चित हत्याकांड में कोर्ट ने आरोपी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल को 30 सितंबर को दोषी ठहराया था. जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा ने यह फैसला सुनाया था. वहीं सजा को लेकर 14 अक्टूबर की तारीख तय की गई थी. बता दें कि सौरभ राजपूत हत्याकांड में जुलाई 2025 में ट्रायल शुरू हुआ था. इस दौरान लगभग 13 महीनों तक चली कोर्ट बहस में 126 तारीखों के दौरान 22 से ज्यादा गवाहों के बयान दर्ज किए गए. मृतक सौरभ

राजपूत के परिवार ने कोर्ट से दोनों आरोपियों को फांसी की सजा देने की गुहार लगाई थी. मृतक सौरभ राजपूत के भाई राहुल का कहना था कि हम शुरू से यही उम्मीद लगाए हुए थे कि हमें इंसाफ मिलेगा. हमने शुरू से एक ही मांग रखी है कि जो उन्होंने हमारे भाई के साथ किया, वो उनके साथ हो. सौरभ राजपूत हत्याकांड नीले ड्रम की वजह से पूरे देश में चर्चा का विषय बना था. सौरभ की लाश उसके ही घर में एक नीले ड्रम के अंदर मिली थी. पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल पर सौरभ की हत्या कर उसके शव को नीले ड्रम में भरने का आरोप है. पिछले साल 19 मार्च को पुलिस ने मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था.

लुधियाना में दिल्ली से आई नाबालिग लड़की से गैंगरेप

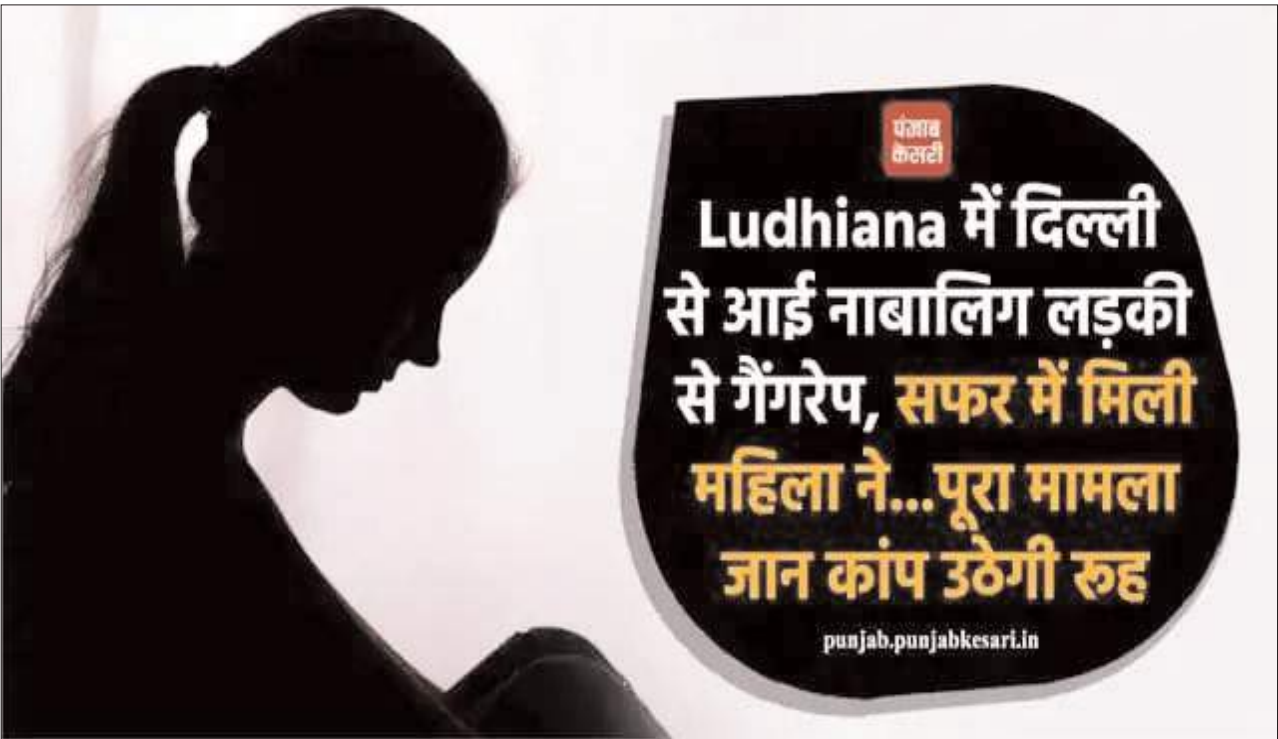
सफर में मिली महिला ने...पूरा मामला जान कांप उठेगी

(यंग भारत न्यूज़)

नई दिल्ली से लुधियाना आ रही एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को विश्वास में लेकर नशीला पदार्थ पिलाने और होटल के कमरे में ले जाकर 2 अज्ञात युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बस के सफर के दौरान साथ बैठी एक महिला ने गहरी साजिश के तहत नाबालिग लड़की को विश्वास में लिया, उसे शेरपुर स्थित लोहा पुल के पास उतारा और फिर नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर होटल ले गई, जहां 2 युवकों ने उसके साथ हैवानियत की।

वारदात के बाद मुंह बंद रखने के लिए पीड़िता को धमकाया गया और बस्ती जोधवाल चौक में सड़क किनारे बेसुध छोड़कर महिला फरार हो गई। मामले में हैरान करने वाली बात यह है कि वारदात के करीब 10 महीने बाद जाकर पुलिस ने इस मामले में औपचारिक कानूनी कार्रवाई करते हुए स्त्रद्धर्त दर्ज की है। पुलिस को दर्ज करवाए गए आधिकारिक बयानों में पीड़िता की नानी ने बताया कि

उनकी 17 वर्षीय दोहली तानिया 17 नवंबर 2025 को नई दिल्ली से बस में सवार होकर लुधियाना आ रही थी। सफर के दौरान बस में किशोरी की सीट के पास एक अज्ञात महिला बैठी हुई थी। उस महिला ने बातों-बातों में नाबालिग लड़की को अपने झंझ में ले लिया और उससे मेलजोल बढ़ा लिया। जब बस लुधियाना शहर में दाखिल हुई, तो शांति महिला नाबालिग लड़की को बहला-फूसलाकर शेरपुर स्थित लोहा पुल के पास बस से नीचे उतार ले गई। बस से उतारने के बाद महिला ने नाबालिग लड़की को पीने के लिए



कोल्ड ड्रिंक दी। कोल्ड ड्रिंक में पहले से ही कोई नशीला या जहरीला पदार्थ मिला हुआ था। जैसे ही नाबालिग लड़की ने वह ड्रिंक पी, उसे गहरा नशा चढ़ गया और वह अर्ध-बेहोशी की हालत में आ गई। इसके बाद आरोपी महिला बेसुध किशोरी को एक निजी होटल में ले गई। आरोप है कि होटल के कमरे में पहले से मौजूद 2 अज्ञात युवकों ने बेसुध व लाचार नाबालिग लड़की के साथ बारी-बारी से जबरन शारीरिक संबंध बनाए और सामूहिक दुष्कर्म किया। दरिंदगी के बाद जब नाबालिग लड़की होश में आने लगी और रोने-चिल्लाने लगी, तो आरोपी महिला ने उसके चेहरे पर ताबड़तोड़ थपड़ मारे और डराया-धमकाया। महिला ने

मामले को दबाने के लिए पीड़िता को पैसे देने की कोशिश की। जब पीड़िता ने पैसे लेने से साफ मना कर दिया, तो महिला ने उसे जुबान बंद रखने के बदले नई स्कूटी खरीद कर देने का प्रलोभन दिया। इसके बाद रात करीब 9:00 बजे आरोपी महिला पीड़िता को बस्ती जोधवाल चौक के पास सड़क किनारे लावारिस हालत में छोड़कर मौके से रफूचक्कर हो गई। किसी तरह रोती-बिलखती घर पहुंची किशोरी ने परिजनों को आपबीती बताई, जिसके बाद स्तब्ध परिवार ने पुलिस को सूचित किया। मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि वारदात के 10 महीने बीत जाने के बाद अब जाकर पुलिस ने औपचारिक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़िता की नानी के बयानों और प्रारंभिक पड़ताल के आधार पर अज्ञात महिला तथा दोनों अज्ञात युवकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो एक्ट की संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

वेश्याओं और कुंवारी लड़कियों को फंसाता, फिर गन्ने के खेतों में कमर तक. कहानी उस सीरियल किलर की जो पीता था शवों की लार!

(यंग भारत न्यूज)

इंडोनेशिया का एक ऐसा तांत्रिक, जो लोगों की परेशानियां दूर करने का दावा करता था, लेकिन उसके अपने इरादे बेहद खौफनाक थे. उसके पास इलाज की उम्मीद लेकर आने वाली लड़कियां शायद ही सोच सकती थीं कि जिस शख्स पर वे भरोसा कर रही हैं, वहीं उनकी जान का दुश्मन बन जाएगा.

वह लड़कियों को गन्ने के खेतों में ले जाता, जमीन में गड्ढा खोदकर उन्हें उसमें कमर तक गाड़ देता और फिर उनकी हत्या कर देता था. इस शख्स का नाम था अहमद सुराजी. अहमद सुराजी ने पुलिस के सामने 42 लड़कियों की हत्या करने की बात कबूल की थी. वह इन लड़कियों की लार पीकर अपनी कथित तांत्रिक शक्तियां बढ़ाना चाहता था. आखिर उसके मन में यह सनक कैसे पैदा हुई? वह अपने शिकार को गन्ने के खेत में ही क्यों दफनाता था. चलिए जानें.अहमद सुराजी इंडोनेशिया के तॉथ सुमात्रा में रहता था. वह खुद को जादूगर कहता था और लोगों की परेशानियों का हल बताने का दावा करता था. आस-



पड़ोस के लोग इलाज और भूत भगाने के लिए उसके पास आते थे. उसकी पर्सनल लाइफ भी कॉन्ट्रोवर्शियल थी, क्योंकि उसकी तीन पत्नियां थीं, सभी बहनें थीं. पुलिस भी अहमद के जुर्मों के पीछे की वजह जानकर हैरान रह गई. डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अहमद ने दावा किया कि उसके पिता उसे सपने में दिखे थे. उसके पिता पर जादू-टोना करने का भी आरोप था. अहमद के मुताबिक, सपने में उसके पिता ने उसे 70 कुंवारी लड़कियों को मारकर उनकी लार पीने का ऑर्डर दिया ताकि उसकी ताकत बढ़ सके. अहमद को यह कहा जाने वाला मैसेज सच लगता था. उसने किसी भी तरह से अपना मकसद पूरा

करने का फैसला किया. इससे जुर्मों का सिलसिला शुरू हो गया. हालांकि, उसके पिता के सपने और जादू-टोने की ताकतों के बारे में यह कहानी अहमद का अपना दावा था, किसी सुपरनैचुरल ताकत का सबूत नहीं. अहमद अपने शिकार को ठिकाने लगाने के लिए गन्ने के खेत चुनता था. वह खेत में पहले से एक गड्ढा खोदता था. फिर, किसी बहाने से लड़कियों को वहां बुलाता और उन्हें गड्ढे में बैठने के लिए कहता. वह इलाज का तरीका बताकर उनका भरोसा जीतता और फिर धीरे-धीरे उन पर मिट्टी डालना शुरू कर देता. जब लड़कियों को उसकी हरकतों पर शक होता और वे उससे पूछतीं, तो वह दिखावा करता कि यह कोई तांत्रिक रस्म है. जैसे ही वह उनमें मिट्टी भरता, वह उन्हें बेसुध कर देता. फिर वह उनका गला घोटकर मार डालता. जब पुलिस ने अहमद से पूछताछ की, तो उसने शुरू में लड़की को पहचानने से मना कर दिया. हालांकि, जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, उसने जुर्म कबूल कर लिया. उसने 42 लड़कियों को मारने की बात मानी. उसके

कबूलनामे के मुताबिक, वह इन हत्याओं के जरिए अपनी कथित तांत्रिक शक्तियों को बढ़ाना चाहता था. उसने यह भी बताया कि उसका मकसद 70 लड़कियों की लार पीना था. इसका मतलब है कि 42 हत्याओं के बाद भी उसे नहीं लगा कि उसका कहा हुआ मकसद पूरा हुआ है. जांच के दौरान, उसकी एक पत्नी की भूमिका भी सामने आई. उसे जुर्म में साथी होने का दोषी पाया गया और उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई. अहमद को इन हत्याओं के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी. 10 जुलाई, 2008 को उसे गोली मार दी गई थी. हालांकि, मामले से जुड़ी रिपोर्ट्स में उसकी आखिरी इच्छा के बारे में एक चौंकाने वाली बात भी सामने आई है. खबर है कि जब उससे उसकी आखिरी इच्छा के बारे में पूछा गया, तो उसने कथित तौर पर अपने अधूरे मकसद को पूरा करने की अपनी अधूरी इच्छा बताई. वह अभी भी 70 महिलाओं की लार पीने के अपने जुनून से उबर नहीं पाया है. यह दावा सच है या कबूलनामा, यह साफ है कि उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है.

केंद्रीय कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले! जल्द मिलने वाले हैं ये 2 बड़े तोहफे, झूम उठेंगे सरकारी कर्मचारी

(यंग भारत न्यूज)

लाखों केंद्रीय कर्मचारियों के लिए जल्द ही एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आ सकती है। जुलाई 2026 के महंगाई भत्ते में संभावित बढ़ोतरी के साथ-साथ उनके ट्रांसपोर्ट अलाउंस में भी जोरदार इजाफा होने के पूरे आसार जताए जा रहे हैं।

अनुमान लगाया जा रहा है कि यदि सरकार महंगाई भत्ते में 3 से 4 फीसदी तक की बढ़ोतरी करती है, तो कर्मचारियों की मासिक जेब पर इसका सीधा सकारात्मक असर पड़ेगा। हालांकि, इस संबंध में अंतिम और आधिकारिक फैसला सरकारी कर्मचारी के बाढ़ की स्पष्ट होगा। फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों को 60 फीसदी की दर से महंगाई भत्ता मिल रहा है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी किए जाने वाले औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के



आधार पर ४ तय होता है। अनुमान के मुताबिक, जुलाई2026 के लिए महंगाई भत्ते में 3 से 4 फीसदी तक का उछाल आ सकता है।

ऐसा होने पर यह बढ़कर सीधे 63 से 64 फीसदी तक पहुंच सकता है। महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी होने पर कर्मचारियों के ट्रांसपोर्ट अलाउंस की कुल राशि में भी किए जाने वाले औद्योगिक श्रमिकों के अनुमानों के अनुसार, मुख्य रूप से पे-

लेवल 9 और उससे ऊपर के कर्मचारियों को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय कर्मचारियों की निगाहें अब पूरी तरह से केंद्र सरकार की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हुई हैं। महंगाई भत्ते में वास्तविक बढ़ोतरी कितनी होगी और ट्रांसपोर्ट अलाउंस पर इसका सटीक कितना असर पड़ेगा, इन सभी बातों का खुलासा सरकार के फाइनल आदेश के बाद ही सामने आएगा।

20 के आरोप ने छीनी वर्दी. 30 साल बाद खुला राज, कोर्ट ने किया बरी, लेकिन अगले ही दिन थम गई सांसें!

(यंग भारत न्यूज)

कभी किसी इंसान की जिंदगी में घटने वाली एक छोटी-सी घटना इतनी लंबी छाया छोड़ जाती है कि उसका असर दशकों तक खत्म नहीं होता। गुजरात के अहमदाबाद से सामने आई पुलिस कांस्टेबल बाबूभाई प्रजापति की कहानी भी कुछ ऐसी ही है।उन पर वर्ष 1996 में एक ट्रक चालक से रिश्वत लेने का आरोप लगा था। मामला अदालत तक पहुंचा, फिर मुकदमा चला, निचली अदालत से सजा हुई और इसके बाद करीब तीन दशक तक कानूनी लड़ाई जारी रही। आखिरकार 4 फरवरी 2026 को गुजरात हाई कोर्ट ने बाबूभाई प्रजापति को भ्रष्टाचार के इस मामले में बरी कर दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोप को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा था और मामले में गवाहों के बयानों, जांच की प्रक्रिया तथा सबूतों को लेकर गंभीर कमियां थीं। लेकिन इस फैसले की खुशी बाबूभाई ज्यादा समय तक नहीं जी सके। फैसले के अगले ही दिन प्राकृतिक कारणों से उनका निधन हो गया। बाबूभाई प्रजापति उस समय अहमदाबाद के वेजलपुर पुलिस थाने में पुलिसकर्मी के रूप में तैनात थे। वर्ष 1996 में एंटी करप्शन ब्यूरो यानी छक्की की कार्रवाई के दौरान उन पर ट्रक चालक से अवैध रकम लेने का आरोप लगाया गया। मीडिया रिपोर्टों में इस रकम को 20 रुपये बताया गया है। इस मामले में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत कार्रवाई की गई। गुजरात हाई कोर्ट के फैसले के रिकॉर्ड के अनुसार, नवंबर 1996 में छक्के एक डिकॉय ट्रेप की योजना बनाई थी। शिकायत के आधार पर एक ट्रक चालक को डिकॉय बनाया गया और कार्रवाई के लिए पंच गवाहों को भी शामिल किया गया। इसके बाद मामला दर्ज किया गया और जांच आगे बढ़ी। इसके बाद 1997 में चार्जशीट दाखिल हुई। वर्ष 2002 में आरोप तय किए गए और 2003 में मुकदमे की सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान दर्ज होने शुरू हुए। यानी एक छोटे से कथित रिश्वत मामले ने देखते ही देखते कई साल का कानूनी रूप ले लिया। मामला अहमदाबाद की सत्र अदालत तक पहुंचा। वर्ष 2004 में ट्रायल कोर्ट ने बाबूभाई और मामले में शामिल अन्य आरोपियों को दोषी ठहराया। अदालत ने भ्रष्टाचार निवारण कानून की विभिन्न धाराओं के तहत सजा सुनाई। हाई कोर्ट के फैसले के अनुसार, ट्रायल कोर्ट ने एक आरोप के तहत एक साल की कठोर कैद और जुर्माना तथा दूसरे आरोप के तहत चार साल की कठोर कैद और जुर्माने की सजा सुनाई थी। दोनों सजाएं साथ-साथ चलनी थीं। इसके बाद बाबूभाई ने उसी वर्ष गुजरात हाई कोर्ट में अपनी सजा को चुनौती दी।यहीं से उनकी जिंदगी का एक और लंबा अध्याय शुरू हुआ। ट्रायल कोर्ट के फैसले के बाद बाबूभाई ने हार नहीं मानी। उन्होंने हाई कोर्ट में अपील दाखिल की और खुद को निर्दोष साबित करने के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखी। लेकिन हाई कोर्ट में यह अपील वर्षों तक लंबित रही। करीब तीन दशक तक चलने वाली इस कानूनी प्रक्रिया ने उनकी जिंदगी के महत्वपूर्ण वर्षों को अदालतों और मुकदमों के बीच बांट दिया। रिपोर्टों के मुताबिक, इस मामले की वजह से उनकी कई सरकारी सुविधाएं और सेवा संबंधी लाभ भी प्रभावित हुए। किसी कर्मचारी के लिए नौकरी से जुड़ा विवाद सिर्फ कानूनी समस्या नहीं होता। उसका असर परिवार, सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक स्थिति और मानसिक स्थिति तक पहुंच सकता है। बाबूभाई के मामले में भी तीन दशक तक यह आरोप उनके साथ जुड़ा रहा। लेकिन फिर आया 4 फरवरी 2026, जब गुजरात हाई कोर्ट ने उस पुराने मामले पर फैसला सुनाया। गुजरात हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष मांग और रिश्वत स्वीकार किए जाने जैसे आवश्यक तथ्यों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका। इन कमियों और विरोधाभासों को देखते हुए अदालत ने ट्रायल कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप किया और बाबूभाई प्रजापति को बरी कर दिया। यानी जिस मामले में उन्हें वर्ष 2004 में दोषी ठहराया गया था, उसी मामले में लगभग 22 साल बाद हाई कोर्ट ने उनकी अपील स्वीकार कर उन्हें निर्दोष करार दिया। हाई कोर्ट के फैसले के बाद बाबूभाई अपने वकील नितिन गांधी के कार्यालय पहुंचे। रिपोर्टों के अनुसार, वहां उन्होंने अपने जीवन से आरोप का कलंक हटने पर राहत व्यक्त की। उनके वकील ने उन्हें सलाह दी कि अब वे उन सरकारी लाभों और सेवा संबंधी बकाया सुविधाओं के लिए आवेदन करें, जो मुकदमे की वजह से लंबे समय से प्रभावित थीं। लेकिन बाबूभाई की प्रतिक्रिया बेहद भावुक करने वाली थी। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्होंने कहा कि उनके जीवन से कलंक हट गया है और अब वह चाहते हैं कि ईश्वर उन्हें अपने पास बुला ले। यह बातचीत वकील के कार्यालय में लगे छट्छट्टू में रिकॉर्ड होने की बात भी सामने आई है। उस वक्त शायद किसी को अंदाजा नहीं था कि ये शब्द उनकी जिंदगी के आखिरी दिनों की ओर इशारा कर रहे हैं। हाई कोर्ट के फैसले के अगले दिन बाबूभाई प्रजापति का निधन हो गया। रिपोर्टों के अनुसार, उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। जिस व्यक्ति ने करीब 30 साल तक अपने ऊपर लगे आरोप को हटाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी, उसे आखिरकार अदालत से राहत मिली। लेकिन इस राहत के बाद वह जिंदगी ज्यादा दिनों तक उनके साथ नहीं रही। यह घटनाक्रम इस मामले को सिर्फ एक भ्रष्टाचार केस नहीं रहने देता। यह न्याय मिलने में होने वाली देरी और उसके मानवीय असर पर भी गंभीर सवाल खड़ा करता है। इस पूरी कहानी को केवल इस नजरिए से देखना कि मामला महज 20 रुपये की रिश्वत के आरोप से शुरू हुआ था, शायद अधूरा होगा। असली सवाल यह है कि किसी व्यक्ति पर लगा आरोप जब दशकों तक अदालत में लंबित रहता है तो उसके जीवन पर उसका कितना गहरा प्रभाव पड़ सकता है। बाबूभाई के मामले में आरोप वर्ष 1996 में लगा। 1997 में चार्जशीट हुई। 2002 में आरोप तय हुए। 2003 में गवाही शुरू हुई। 2004 में ट्रायल कोर्ट ने दोषी ठहराया और उसी वर्ष हाई कोर्ट में अपील दाखिल हुई। आखिरकार 4 फरवरी 2026 को उन्हें बरी किया गया। बाबूभाई प्रजापति अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन गुजरात हाई कोर्ट का फैसला उनके नाम से जुड़े उस पुराने आरोप पर अंतिम कानूनी राहत जरूर लेकर आया। उनकी कहानी का सबसे दर्दनाक पहलू यही है कि जिस न्याय के लिए उन्होंने वर्षों इंतजार किया, वह उन्हें जीवन के अंतिम पड़ाव पर मिला। अदालत ने उन्हें उस मामले में बरी किया, लेकिन फैसला आने के ठीक अगले दिन उनका निधन करने के साथ ही हर बिल के साथ विवरण देना होगा। कुल खर्च की जानकारी नवंबर अंत तक निर्धारित प्रारूप में वित्त विभाग को भेजनी होगी।



कोल्ड ड्रिंक में नशा, फिर अश्लील हरकत. बच्चों को ब्लैकमेल करने वाले नंदू को भीड़ ने सिखाया ऐसा सबक, ताअम्र रखेगा याद

(यंग भारत न्यूज)

खबर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के नेहरू कॉलोनी से है. यहां बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न और अश्लील हरकत करने के संगीन आरोप में भारी हंगामा खड़ा हो गया. घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया और उसके चेहरे पर कालिख पोतकर सड़क पर जुलूस निकाला. इसके बाद आक्रोशित भीड़ आरोपी को घसीटते हुए सीधे थाने ले गई और उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की. परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस जांच और परिजनों के अनुसार, यह घिनौनी वारदात दिसंबर से फरवरी के बीच की बताई जा रही है. आरोपी की पहचान जितेंद्र उर्फ नंदू महाराज के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले का रहने वाला है. आरोपी वर्तमान में उत्तराखंड विधानसभा की कैंटीन में काम करता है. पीड़ित बच्चों के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि आरोपी बच्चों को खानेपीने का लालच देकर अपने साथ ले जाता था. इसके बाद



कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला देता था और अचेत/बेहोश होने पर उनके साथ अश्लील हरकतें करता था. आरोप है कि विकृत मानसिकता का शिकार आरोपी अश्लील हरकतों के दौरान बच्चों की फोटो और वीडियो बना लेता था. वो बच्चों को यह फोटोवीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देता था. साथ ही अपने पास घातक हथियार होने की बात कहकर

मासूमों को जान से मारने की धमकियां देता था और लंबे समय से ब्लैकमेल कर रहा था. डांट पड़ने और आरोपी की धमकियों के डर से बच्चे लंबे समय तक परिजनों से कुछ नहीं कह सके. अब मामला सामने आने के बाद से मासूम बुरी तरह सहमे और डरे हुए हैं. मामला उजागर होते ही इलाके में सनसनी फैल गई और स्थानीय नागरिकों ने आरोपी को पकड़कर सबक सिखाया. नेहरू

कॉलोनी के कोतवाल देवेंद्र चौहान ने बताया कि परिजनों की लिखित शिकायत के आधार पर आरोपी जितेंद्र उर्फ नंदू महाराज के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस मामले की हर पहलू से गहन जांच कर रही है और फोटोवीडियो से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है.

पत्नी की मौत पर घर में पसरा था मातम, तभी कमरे में दूसरी महिला के साथ मिला पति, गांव में आक्रोश

(यंग भारत न्यूज)

उत्तराखंड के गोपेश्वर के पास ग्वाड़ गांव में एक महिला की संदिग्ध मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। पत्नी कुसमा देवी की मौत के बाद परिवार और रिश्तेदार शोक में थे। इसी दौरान मृतका के पति विक्रम लाल के घर में एक दूसरी महिला मिलने की जानकारी सामने आई। ग्रामीणों ने दोनों को घर के अंदर पाया और पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद गांव की महिलाओं में नाराजगी देखने को मिली। उन्होंने थाने पहुंचकर कुसमा देवी की मौत के मामले में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। जानकारी के मुताबिक, 23 सितंबर को ग्वाड़ गंगलोल गांव स्थित एक घर में कुसमा देवी का शव रस्सी के सहारे लटका मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। महिला की मौत के बाद उसकी बहन ने पति पर हत्या का आरोप लगाया था। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस अब इस मामले में सामने आए आरोपों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। बताया गया कि कुसमा देवी की मौत के बाद घर में अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम चल रहे थे। परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और गांव के लोग शोक में शामिल थे। इसी दौरान मृतका के बच्चों ने ग्राम प्रधान को बताया कि उनके पिता विक्रम लाल घर के अंदर एक महिला के साथ मौजूद हैं। जानकारी मिलने पर ग्रामीण घर पहुंचे और पुलिस को बुलाया। इसके बाद घर की तलाशी ली गई, जहां गांव के पास रहने वाली एक विधवा महिला मिली। ग्रामीणों ने विक्रम लाल और महिला को गोपेश्वर पुलिस के हवाले कर दिया। थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी के मुताबिक, सामने आया है कि विक्रम लाल और महिला के बीच प्रेम संबंध थे। पुलिस ने कुसमा देवी की मौत के मामले में पति को नामजद किया है। फिलहाल विक्रम लाल को तत्पक्षिण के आरोप में जेल भेजा गया है, जबकि उसके साथ मिली महिला से पूछताछ के बाद उसे स्वजन को सौंप दिया गया। घटना के बाद गांव की महिलाओं ने थाने पहुंचकर नाराजगी जताई और कुसमा देवी की मौत के मामले में तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। बताया गया कि विक्रम लाल के दो बेटे और एक बेटी हैं। वहीं, उसके साथ मिली महिला के भी दो बच्चे हैं। इस घटना ने गांव में चर्चा और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। कुसमा देवी की मौत को लेकर पहले ही उनके पति पर आरोप लगाए गए थे। अब घर में दूसरी महिला मिलने के बाद मामला फिर चर्चा में आ गया है। हालांकि, पति पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल पुलिस संदिग्ध मौत के मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों पर निर्भर करेगी।



एमएलसी चुनाव के लिए खुद सीएम योगी ने संभाला मोर्चा, आज लगातार तीसरे दिन करेंगे जनसभा

(यंग भारत न्यूज)

राज्यसभा चुनाव में आठों प्रत्याशियों के निर्विरोध निर्वाचन से उत्साहित भाजपा अब विधान परिषद चुनाव में भी सपा को बैकफुट पर धकेलना चाहती है। जिन 11 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें से छह पिछली बार भाजपा ने जीती थी। भाजपा इस बार दो अंकों में पहुंचने को प्रयासरत है। चुनावी हवा को भाजपा की ओर मोड़ने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। वे एक-एक करके पार्टी प्रत्याशियों के लिए सभा और संवाद कर रहे हैं। पार्टी प्रत्याशियों को जिताने के लिए गोरखपुर और बरेली के बाद लगातार तीसरे दिन बुधवार को वाराणसी में जनसभा करेंगे। इन सीटों को जीतने के लिए भाजपा कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को गोरखपुर में हजारों

शिक्षकों के साथ न सिर्फ संवाद किया, बल्कि पार्टी प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी को जिताने की अपील भी की। ध्रुव त्रिपाठी को भाजपा प्रत्याशी बनवाने में भी मुख्यमंत्री की भूमिका मानी जाती है। पिछले चुनाव में भी त्रिपाठी के खिलाफ भाजपा ने प्रत्याशी नहीं उतारा था। मंगलवार को सीएम योगी ने बरेली में पार्टी प्रत्याशी हरी सिंह ढिल्लो के समर्थन में सभा की। बुधवार को अब वाराणसी में सभा करेंगे। यहां स्नातक सीट से पार्टी ने पिछला चुनाव हारे केदारनाथ सिंह पर फिर दांव लगाया है। जबकि शिक्षक सीट पर प्रमोद मिश्रा मैदान में हैं। यहां पिछले चुनाव में सपा का दबदबा रहा था। प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र से जुड़ी सीट को सपा ने जीत लिया था। माना जा रहा है कि इसके बाद योगी बाकी बची सीटों पर भी पार्टी प्रत्याशियों के लिए चुनावी माहौल बनाने जाएंगे। एमएलसी चुनाव के लिए

केवल सीएम योगी ही नहीं डिप्टी सीएम केशव मोर्य और भाजपा का प्रदेश संगठन भी लगा हुआ है। केशव मोर्य भी पिछले दो दिनों से अपने इलाके कौशांबी और आसपास माहौल बनाने में जुटे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी पश्चिम क्षेत्र में एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की थी। वहीं प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने अवध क्षेत्र और ब्रज क्षेत्र में अब तक दो-दो बैठकें की हैं। वहां तैयारियों की समीक्षा के साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को रणनीति भी समझाई है। इसके अलावा वे प्रदेश भाजपा मुख्यालय में बने कंट्रोल रूम से लगातार चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। रुचि न लेने वाले या गड़बड़ी की आशंका वाले पार्टी नेताओं और विधायकों के पेंच भी कसे जा रहे हैं।

त्योहारी सीजन में हरियाणा के कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर, दीपावली से पहले मिलेंगे 15000 रुपये; नहीं देना होगा ब्याज

(यंग भारत न्यूज)

चंडीगढ़। त्योहारों के बीच चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को प्रदेश सरकार ने राहत दी है। सरकारी विभागों, बोर्ड-निगमों और स्वायत्त संस्थानों में स्थायी या अस्थायी आधार पर लगे नियमित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को 15 हजार रुपये का ब्याजमुक्त एडवांस दिया जाएगा। पात्र कर्मचारी 24 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। धनराशि 30 अक्टूबर 2026 तक स्वीकृत और वितरित की जा सकेगी।

यह सुविधा नियमित स्थायी और अस्थायी राज्य सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी, जिनकी अगले 10 महीने तक सेवा में बने रहने की संभावना है। संबंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी (डीडीओ) एडवांस स्वीकृत करेंगे। अस्थायी कर्मचारी को किसी स्थायी राज्य सरकारी कर्मचारी की जमानत देनी होगी। यह राशि 10 समान मासिक किस्तों में वसूली जाएगी। पति-पत्नी के दोनों सरकारी कर्मचारी होने पर उनमें से केवल एक को यह सुविधा मिलेगी। कार्यभारित, आकस्मिक वेतनभोगी, दैनिक वेतनभोगी और सविदा कर्मचारी एडवांस के पात्र नहीं होंगे। दूसरे सरकारी विभागों, निगमों या स्थानीय निकायों में प्रतिनियुक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मूल विभाग से एडवांस नहीं मिलेगा। निलंबित कर्मचारियों और हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम 2016 के नियम-7 के तहत कार्रवाई का सामना कर रहे कर्मचारियों के आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। अपात्र कर्मचारी को एडवांस देने पर डीडीओ किम्मेदार होंगे और नियमानुसार कार्रवाई होगी। दुरुपयोग पर कर्मचारी से 10 प्रतिशत दंडात्मक ब्याज वसूला जाएगा। विभागों को वसूली का विस्तृत रिकॉर्ड रखना होगा। हर महानि प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) के कार्यालय से मिलान करने के साथ ही हर बिल के साथ विवरण देना होगा। कुल खर्च की जानकारी नवंबर अंत तक निर्धारित प्रारूप में वित्त विभाग को भेजनी होगी।

नवरात्रि की चतुर्थी पर मां कूष्मांडा की पूजा- अर्चना के बाद कन्या भोज का आयोजन

अन्नपूर्णा सेवा समिति ने किया भंडारा प्रसाद वितरण

(यंग भारत न्यूज)

कोंच शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर के गांधी नगर स्थित पंचमुखी शंकर जी के पास मां दुर्गा की आराधना के साथ सेवा और समर्पण का क्रम निरंतर जारी है। बुधवार को नवरात्रि के चतुर्थ दिवस पर मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कूष्मांडा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद माता रानी की आरती कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना की। पूजा-अर्चना और आरती के उपरांत कन्या भोज का आयोजन कर श्रद्धालुओं को भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर माता रानी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

नगर में नवरात्रि के अवसर पर धार्मिक आयोजनों के साथ सेवा कार्यों में भी श्रद्धालु बढ़-चढ़कर सहभागिता कर रहे हैं। इसी क्रम में अन्नपूर्णा सेवा समिति द्वारा पंचमुखी शंकर जी के पास, गांधी नगर में नौ दिनों तक प्रतिदिन सुबह माता रानी की आरती के पश्चात भंडारा प्रसाद



वितरण कराया जा रहा है। समिति का यह सेवा अभियान लगातार दूसरे वर्ष आयोजित किया जा रहा है। इसके माध्यम से समिति के सदस्य धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हुए हैं। समिति के सदस्य पत्रकार शुभम तिवारी एवं शत्रुघ्न बुढ़ौलिया ने बताया कि अन्नपूर्णा सेवा समिति द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर लगातार दूसरे वर्ष यह सेवा कार्य किया जा रहा है। संस्था का मुख्य उद्देश्य युवाओं को धार्मिक कार्यों से जोड़ना तथा उनमें सेवा,



सहयोग और सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना आवश्यक है। धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन युवाओं को अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों में सहभागिता से युवाओं में आपसी सहयोग, समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि समिति का प्रयास है कि युवा केवल धार्मिक

आयोजनों में भागीदारी तक सीमित न रहे, बल्कि समाजहित के कार्यों में भी आगे आकर अपनी भूमिका निभाएं। नवरात्रि सकारात्मक दिशा देना आवश्यक है। धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन युवाओं को अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों में सहभागिता से युवाओं में आपसी सहयोग, समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि समिति का प्रयास है कि युवा केवल धार्मिक

मां कूष्मांडा को सृष्टि की रचयिता आदिशक्ति के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि उनकी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई थी। मां कूष्मांडा को ऊर्जा, तेज और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि के चतुर्थ दिवस पर भक्त विधि-विधान से उनकी पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की कामना करते हैं। इस दिन माता रानी की आराधना के साथ मंदिरों और पूजा पंडालों में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। अन्नपूर्णा सेवा समिति के इस आयोजन में अजय दुबे, शुभम तिवारी पत्रकार, शत्रुघ्न बुढ़ौलिया, अर्पित अग्रवाल, अंकित गोयल, अंशु शर्मा, रजत दीक्षित, ऋषभ दीक्षित, प्रशांत दुबे, अभय गुर्जर, मोहित प्रजापति, नमन तिवारी, कान्हा चतुर्वेदी एवं गोदानंदाचार्य (गोलू महाराज) सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पूजा-अर्चना, कन्या भोज एवं भंडारा प्रसाद वितरण के आयोजन में सहभागिता करते हुए सेवा कार्य में सहयोग किया।

मिशन शक्ति 6.0 : पुलिस ने वृद्धाश्रम में माताओं के साथ मनाया नवरात्रि पर्व, बाँटे शॉल और मिठाइयाँ

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान 'मिशन शक्ति 6.0' के अंतर्गत जालौन पुलिस ने 'नारी सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण का नया संकल्प' थीम पर एक संवेदनशील कार्यक्रम का आयोजन किया।

दिनांक 14.10.2026 को राठ रोड, उरई स्थित वृद्धाश्रम में अपर पुलिस अधीक्षक एवं मिशन शक्ति टीम के सदस्यों ने निवासरत सभी माताओं और बुजुर्ग महिलाओं से आत्मीय संवाद स्थापित किया। पुलिसकर्मियों ने बुजुर्ग महिलाओं का कुशलक्षेम जाना, उनके स्वास्थ्य और सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली और उन्हें भरोसा दिलाया कि जालौन पुलिस सदैव उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए तत्पर है। इस अवसर पर सम्मान और आदर के प्रतीक स्वरूप सभी महिलाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा मिठाइयां व फल वितरित किए गए। पुलिस परिवार के इस स्नेहपूर्ण व्यवहार को देखकर बुजुर्ग माताओं के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पूरी टीम को अपना स्नेह व आशीर्वाद प्रदान किया। महिला पुलिस अधिकारियों ने संवाद के दौरान उपस्थित महिलाओं को वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के कल्याणार्थ संचालित विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन नंबरों - जैसे बुनेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, एम्बुलेंस सेवा 108 की जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक जालौन द्वारा वृद्धाश्रम की माताओं को आश्चर्यचकित किया गया कि किसी भी आवश्यकता या समस्या के समय वे नि:संकोच पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती हैं।



केवट संवाद, दशरथ मरण तथा भरत मिलाप की लीला का हुआ भव्य मंचन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई। श्री रामलीला महोत्सव में 8 वे केवट संवाद, दशरथ मरण तथा भरत मिलाप की लीला का मंचन किया गया। जिसमें सबसे दर्शकों का आकर्षण का केंद्र मुरलीमनोहर तालाब पर राम-केवट संवाद का मंचन रहा। तो वहीं, हास्य कलाकार पंचम दीवाना द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन कर लोगों को ठहाके लगाने के लिए मजबूर कर दिया। रामलीला महोत्सव में 174 वें लीला का चलायमान मंचन किया गया। सरयू नदी की लीला का मंचन मुरलीमनोहर तालाब पर किया गया। नगर में चलायमान लीला देखने वालों का हुजूम रहा। मंचन के दौरान राम-केवट संवाद का प्रथम दृश्य अवलोकन कराया गया। जिसमें प्रभु राम को गंगा पार जाने के लिए नाव की जरूरत थी। तो वहीं केवट उनके चरणों को पखारने के लिए आतुर था। इसी संवाद में बैठे दर्शकों ने खूब आनंद उठाया। केवट द्वारा कहा गया 'कुछक तुमऊ काले, कुछक हमऊ काले, आज खूबई मिलाए दो काले-काले।' इसी प्रसंग को लेकर राम व केवट के बीच जमकर तकरार होती रही। अंत में 'सुन केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे, बहसै करुना अयन, चितय जानकी लखन तनय' के साथ प्रभु राम केवट की जिद को स्वीकार कर अपने चरणों को स्पर्श करवाकर नाव से उस पार चले गए। इससे पूर्व, प्रभु धु राम ने मंत्री सुमंत को वहीं से वापस भेज दिया। जब सुमंत के अकेले वापस आने की सूचना जैसे ही राजा दशरथ को मिली, उसी समय उन्होंने अपने प्राणों का परित्याग कर दिया। जब यह समाचार भरत तथा शत्रुघ्न को भेजा गया, तो वह अपने ननिहाल से अयोध्या आए और अपने बड़े भाई श्रीराम को न देखकर दुःख प्रकट करते हुए राम को मनाने के लिए चल दिए। रामलीला के मंचन में श्रीराम के रूप में मनोज तिवारी, माता जानकी के रूप में रामदूत तिवारी, लक्ष्मण के रूप में शीपू पारासर, वशिष्ठ के रूप में सुरेन्द्र पाराशर, पायल रानी, श्याम का अभिनव दर्शकों को खूब भाया, इस मौके पर समिति के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी, मंत्री पवन चतुर्वेदी, निदेशक प्रयाग गुरु, मंगल चतुर्वेदी, राजकुमार, गुड्डन सक्सेना ने लीला का सफल आयोजन करने में सहयोग किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने दरिद्र नारायण में महिलाओं को बांटी साड़ी और फल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति फेज-6 के अंतर्गत बुधवार को दरिद्र नारायण सेवा समिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आश्रय गृह में रहने वाली निराश्रित एवं गरीब महिलाओं को फल और साड़ियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता, सहयोग और सम्मान का संदेश दिया गया।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देशों और मिशन शक्ति फेज-6 के निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया एसओपी के अनुपालन में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन पुलिस अधीक्षक सुरेश चन्द्र रावत के दिशा-निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद के पर्यवेक्षण में किया गया। इसमें प्रभारी निरीक्षक निगबेंद्र प्रताप सिंह और मिशन शक्ति प्रभारी वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार की अगुवाई में पुलिस टीम ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में थाना कोंच की एंटी रोमियो स्क्वाड एवं मिशन शक्ति टीम की महिला उपनिरीक्षक भारती सिंह, महिला कॉन्स्टेबल जान्हवी, अर्चना, पूजा फौजदार मौजूद रहीं। पुलिस टीम ने दरिद्र नारायण सेवा समिति में रह रही महिलाओं को फल और साड़ियाँ वितरित कर उनका हालचाल जाना। इस पहल का उद्देश्य नवरात्रि के पावन अवसर पर जरूरतमंद महिलाओं के साथ खुशियां साझा करना और उन्हें समाज में सम्मान एवं अपनत्व का एहसास कराना रहा। इस सामाजिक कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर के वरिष्ठ व्यापारियों ने भी सहयोग किया। व्यापारी संजय अग्रवाल (दतिया वाले) सहित अन्य लोगों ने योगदान देकर जरूरतमंद महिलाओं की सहायता में भागीदारी निभाई। मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। नवरात्रि के दौरान दरिद्र नारायण सेवा समिति में आयोजित यह कार्यक्रम पुलिस और समाज के बीच



एहसास कराना रहा। इस सामाजिक कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर के वरिष्ठ व्यापारियों ने भी सहयोग किया। व्यापारी संजय अग्रवाल (दतिया वाले) सहित अन्य लोगों ने योगदान देकर जरूरतमंद महिलाओं की सहायता में भागीदारी निभाई। मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। नवरात्रि के दौरान दरिद्र नारायण सेवा समिति में आयोजित यह कार्यक्रम पुलिस और समाज के बीच

सहयोग की भावना को मजबूत करने के दिशा में एक पहल रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि त्योहारों की खुशियां जरूरतमंदों के साथ साझा करने से सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा मिलता है। वहीं प्रभारी निरीक्षक ने कहा दरिद्र नारायण सेवा समिति में जाकर महिलाओं के साथ नवरात्र का त्योहार मनाया बहुत अच्छा लगा। इस अवसर पर दरिद्र नारायण सेवा समिति के संयोजक कबीरलाल यादव बाबू जी सहित कई लोग मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर के आसपास फैली गंदगी ने साफ-सफाई व्यवस्था की खोल रही है पोल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई। विकास खण्ड के ग्राम लोना में हनुमान मंदिर के आसपास फैली गंदगी ने साफ-सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी है। मंदिर परिसर और उसके आसपास कचरे व गंदगी का अंबार लगा होने से पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नवरात्रि के पावन पर्व पर जब मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है, ऐसे में धार्मिक स्थल के आसपास गंदगी होने से ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है।

ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह भदौरिया, शैलू भदौरिया, संतोष, पवन, नरेंद्र बताते हैं कि हनुमान मंदिर गांव का प्रमुख आस्था केंद्र है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं। नवरात्रि के कारण इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ गई है, लेकिन मंदिर तक जाने वाले रास्ते पर गंदगी और कीचड़ फैला हुआ है। इससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को मंदिर तक पहुंचने में काफी दिक्कत हो रही है। कई बार फिसलन और दुर्घात के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने कई बार सफाई कर्मचारियों और ग्राम पंचायत से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। आखिरकार मजबूर होकर इस मामले की लिखित शिकायत उच्चाधिकारियों से की गई है। शिकायत में मांग की गई है कि नवरात्रि पर्व को देखते हुए मंदिर परिसर सहित पूरे आसपास के क्षेत्र में तत्काल विशेष सफाई अभियान चलाकर सफाई कराई जाए और नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण में पूजा-अर्चना का अवसर मिल सके।

चौथे दिन मंदिरों व दुर्गा पंडालों में मां के चौथे स्वरूप कूष्मांडा की पूजा अर्चना की गयी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई। नवरात्रि महोत्सव के चौथे दिन नगर के माता के मंदिरों व दुर्गा पंडालों में मां के चौथे स्वरूप कूष्मांडा की पूजा अर्चना की गयी। भक्तों ने माता के मंदिरों व पंडालों में पहुंचकर श्रद्धा पूर्वक विधि विधान से पूजा अर्चना की तथा मां से यश, सुख, समृद्धि, अच्छी सेहत और दीर्घायु की कामना की।

शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन बुधवार को मां कूष्मांडा की नगर में बनाये गये 63 पंडालों व नगर के प्राचीन व प्रमुख छोटी माता, बड़ी माता, छटी माता, संतोषी माता, अलखिया माता, कामाक्षा देवी पहाड़पुरा, जोशियाना में तालाब के पास, फर्दनवीस स्कूल के बगल में, गांगा धाम के पास, नारोभास्कर में अनिल याज्ञिक के घर में पूजा अर्चना की गयी। सूर्य उदय से पूर्व मां की मंगला आरती से मंदिरों के पट खुल गये तथा भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। पंडालों में मंदिरों से आती शंख, झालर, घंटा व देवी गीतों की ध्वनि से नगर का वातावरण मां की भक्ति मय हो गया। मां कूष्मांडा की आठ भुजाएँ हैं, इसलिए इनको अष्टभुजा देवी भी कहते हैं। ये अपनी आठ भुजाओं में चक्र, गदा, धनुष, बाण, अमृत कलश, कमल और कमंडल धारण करती हैं। मां कूष्मांडा का वाहन सिंह है, जो साहस और निर्भय का प्रतीक है। ये देवी अपने एक हाथ में जप की माला भी धारण करती हैं। मां कूष्मांडा के नाम का अर्थ कुम्हड़ा है। इसे संस्कृत में कूष्मांडा कहते हैं। पं. देवेन्द्र दीक्षित बताते हैं कि मां कूष्मांडा के नाम का अर्थ त्रिविध तापयुक्त संसार जिनके उदर में स्थित है, वे भगवती कूष्मांडा कहलाती हैं। कूष्मांडा का अर्थ कुम्हड़े से भी है। मां कूष्मांडा को कुम्हड़ा अति प्रिय है, इसलिए भी इनको कूष्मांडा कहते हैं। हालांकि बृहद रूप में देखा जाए तो एक कुम्हड़े में अनेक बीज होते हैं, हर बीज में एक पौधे को जन्म देने की क्षमता होती है। उसके अंदर सुजन की शक्ति होती है। मां ने इस पूरे ब्रह्मांड की रचना की है। इनके अंदर भी सुजन की शक्ति है।



माधौगढ़ विकास खंड की ग्राम पंचायतों में फर्जी कार्यों के नाम पर सरकारी धन के बंदरबांट का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद जालौन के विकासखंड माधौगढ़ की ग्राम पंचायतों में कथित धांधली और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायतों में फर्जी कार्य दर्शाकर सरकारी धनराशि का भुगतान किए जाने के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस पूरे मामले में रोजगार सेवक से लेकर खंड विकास अधिकारी तक की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम पंचायत महोई और मिगनी में पिछले माह शासन की ओर से रेड अलर्ट जारी किए जाने की जानकारी सामने आई थी। इसके बावजूद कथित तौर पर फर्जी कार्य दर्शाए गए और मजदूरों की संख्या भी अभिलेखों में दर्ज की गई। आरोप है कि इन कार्यों के नाम पर भुगतान भी निकाला जा चुका है। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि संबंधित ग्राम पंचायतों में अनियमितताओं को लेकर पहले ही अलर्ट जारी किया गया था, तो इसके बाद भी कथित फर्जी कार्यों को किस आधार पर दर्ज किया गया और भुगतान कैसे हो गया? यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है, तो यह सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करेगा। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है। अब देखा यह होगा कि संबंधित अधिकारी इन आरोपों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और जांच के बाद क्या कार्रवाई की जाती है।



- महोई और मिगनी में रेड अलर्ट जारी होने के बाद भी कथित फर्जी कार्य दर्शाकर निकाला भुगतान
- रोजगार सेवक से लेकर खंड विकास अधिकारी तक की भूमिका पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। माधौगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अब्बल जमरेही मे युवक ने साड़ी का फंदे पखे के कुंडा में डालकर फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कि आपको बताते चले कि यह पूरा मामला अब्बल जमरेही गांव का है 35 वर्षये मनीष कुमार भदौरिया पुत्र शिवराज सिंह (उर्फ) गुड्डू भदौरिया अपने बच्चों के साथ अहमदाबाद कंपनी में काम करता था दो दिन पूर्व ही अपने गांव जमरेही आया हुआ था तभी बीती रात दिन बुधवार को सुबह जब जगाने के लिये मां ने मनीष को आवाज दी जब कोई जबाब नही मिला तो खिड़की से जब झांक कर देखा तो मनीष कुमार साड़ी के फंदे पर झूल रहा था तभी मां के रोने -चिल्लाने लगी तभी गांव के व्यक्तियों की भीड़ इक्कठा हो गाई तभी ग्रामीणों ने इसकी सूचना नजदीकी कोतवाली माधौगढ़ कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा को सूचना दी सुचना मिलते ही एस आई शिवकरन सिंह एस आई सन्तोष कुमार पुलिस गौरव कुमार अदि पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे शव को कब्जे में लिया फॉरेन्स टीम भी सुचना दी मौके पर पहुंची टीम कर रही जाच पडताल शव को उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा ग्रामीणों ने बताया कि मनीष कुमार भदौरिया की शादी सूत्रों के मुताबिक लगभग 19 वर्ष पूर्व हुई थी तीन बच्चे भी है जो अहमदाबाद में छोड़कर अपने गांव मे कुछ काम से आया हुआ था तभी रात्रि में मनीष कुमार ने फांसी लगा ली कि जीवन लीला समाप्त पुलिस जुटी जांच पडताल में मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अमित कुमार एवं ग्रामीण परिजन मौजूद रहे।



कालपी की प्राचीन धरोहर : 55 देवी स्वरूपों का संगम है पचपिंडा देवी मंदिर, पांडवों के अज्ञातवास से जुड़ी है मान्यता

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी कालपी की प्राचीन विरासत में पचपिंडा देवी मंदिर का विशेष स्थान है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशिष्टता यह है कि यहाँ एक ही परिसर में 55 देवी स्वरूपों और पिंडी रूपों के विराजमान होने की मान्यता है। यही कारण है कि यह मंदिर श्रद्धालुओं के बीच विशिष्ट पहचान रखता है। देवी भक्ति, पौराणिक जनश्रुतियों और लोक परम्पराओं से जुड़ा यह धार्मिक स्थल कभी नवरात्र के विशाल मेलों, पारंपरिक खेलों और भजन-कीर्तन के आयोजनों के लिए जाना जाता था।

स्थानीय धार्मिक मान्यता के अनुसार, पचपिंडा देवी मंदिर की स्थापना पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान की थी। जनश्रुति है कि इस अवधि में पांडव कुछ समय के लिए कालपी धाम में रुके थे और इसी दौरान इस धार्मिक स्थल की



स्थापना हुई। हालाँकि, इस मान्यता की ऐतिहासिक पुष्टि के लिए स्वतंत्र प्रमाण उपलब्ध होना आवश्यक है, लेकिन श्रद्धालुओं के बीच यह कथा मंदिर की प्राचीनता और धार्मिक महत्ता से गहराई से जुड़ी हुई है। चैत्र और शारदीय नवरात्र के दौरान मंदिर में कभी विशाल मेले का आयोजन होता था। नगर के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन और

सड़क दुर्घटना में वृद्धि महिला सहित दो घायल, वृद्ध महिला को जिला अस्पताल किया रिफर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 14 अक्टूबर 60 वर्षीय मालती पत्नी रामदास निवासी ग्राम देवकली 30 वर्षीय शशिकांत पुत्र धनीराम निवासी थाना आटा ग्राम जौरा खेरा मंगलवार की शाम कहीं से अपने-अपने घर वापस जा रहे थे तभी अज्ञात वाहन की टक्कर से अलग-अलग जगह सड़क पर घायल हुए घटना की सूचना पाकर पहुंचे एंबुलेंस के कर्मियों ने सड़क पर अलग-अलग जगह पड़े पड़ी वृद्ध घायल महिला सहित युवक को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद डॉक्टर आदर्श गौतम ने घायलों की अलग-अलग जांच की जांच दौरान वृद्ध महिला की गंभीर स्थिति पाये जाने पर प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया शेष घायल युवक का स्वास्थ्य टीम लगाकर इलाज शुरू किया।

दुर्घटना मृत्यु पर ट्रक एवं अज्ञात चालक पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 14 अक्टूबर 5 दिन पूर्व सड़क दुर्घटना में युवक की मृत्यु को लेकर पीड़ित की तहरीर पर कालपी पुलिस ने ट्रक नंबर यूपी 32 क्यूटी 3218 चालक अज्ञात के खिलाफ जुर्म धारा 281 106 के तहत मुकदमा कायम कर विवेचना उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह भदोरिया को जांच सौंपी।

ग्राम लुहर गांव निवासी पीड़ित राजा सिंह पुत्र श्याम सिंह सेंगर ने कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया कि 9 अक्टूबर समय शनिवार दिन 1:30 बजे मेरे 45 वर्षीय चाचा जोल्हपुर मोड में किनारे सड़क से पैदल चल रहे थे तभी उपरोक्त ट्रक ने जबरदस्त टक्कर मार दी जिससे उनकी घटना स्थल में ही मृत्यु हो गई घटना के बाद सारी औपचारिकताएं पूर्ण करने में समय लगा इसलिए मुकदमा दर्ज कराने में देरी हुई है।

सुअर से टकराई बाइक, युवक गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच आवारा जानवरों के कारण सड़क हादसों का खतरा लगातार बना हुआ है। बुधवार को क्षेत्र में ग्राम चंदुरा के पास सड़क पर अचानक आए आवारा सुअर से बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया (जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के भांडेर क्षेत्र के ततारपुरा निवासी वीरेंद्र पुत्र किशोर अहिरवार बुधवार को अपनी बाइक से चमेडगांव स्थित अपनी ससुराल जा रहे थे। उनके घर में नवरात्रि के अवसर पर ज्वारे का कार्यक्रम आयोजित होना था। इसी सिलसिले में वह अपनी भतीजी को लेने के लिए ससुराल जा रहे थे बत्ताया गया कि जब वीरेंद्र ग्राम चंदुरा के पास पहुंचे, तभी अचानक सड़क पर एक आवारा सुअर आ गया। इससे पहले कि वह बाइक को संभाल पाते, उनकी बाइक सुअर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने घायल युवक की मदद की और उसे उपचार के लिए सीएचसी कोंच पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया। इस घटना ने एक बार फिर सड़कों पर घूम रहे आवारा जानवरों से होने वाले हादसों की समस्या को उजागर किया है। सड़क पर अचानक जानवरों के आ जाने से वाहन चालकों को संभलने का मौका नहीं मिल पाता, जिससे दुर्घटनाएं हो जाती हैं। स्थानीय लोगों ने आवारा जानवरों की समस्या से निजात दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों से प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।



झगड़ा करने में चौकी प्रभारी एवं पुलिस टीम ने चार लोगों को गिरफ्तार कर शांति भंग में किया चालान

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 14 अक्टूबर बुधवार के दिन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य हेलीकॉप्टर से निर्धारित समय में पुलिस लाइन उरई उतरे पुलिस लाइन पर मौजूद उनके स्वागत के लिए पहले से भाजपा जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद यादव नगर पालिका परिषद जालौन अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेंद्र अग्रवाल आदि दर्जनों लोगों के साथ डिप्टी सीएम का माल्यार्पण कर स्वागत किया वही उपमुख्यमंत्री स्वागत पाकर गदगद हुए तथा विकास संबंध में जानकारी हासिल कर विकास हेतु चर्चा की तथा मौजूद लोगों के दुख दर्द को जाना तथा हौसला अफजाई किया स्वागत के समय मौजूद जिलाधिकारी समीर वर्मा पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत आदि अधिकारी एवं भाजपा नेता मौजूद थे।



रामलीला में दशरथ प्राण त्याग लीला का भावुक मंचन, पुत्र वियोग में राजा दशरथ ने त्यागे प्राण ‘राम नाम सत्य है’ की धुन के बीच नगर में निकाली गई राजा दशरथ की शव यात्रा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में आयोजित 174वें रामलीला महोत्सव में मंगलवार की रात रामलीला रंगमंच पर ‘दशरथ प्राण त्याग’ लीला का अत्यंत कारुणिक मंचन किया गया। भगवान श्रीराम के वन गमन से व्याकुल राजा दशरथ के प्राण त्यागने का दृश्य देखकर दर्शक भावुक हो उठे। कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय से पुत्र वियोग की पीड़ा और राजा दशरथ की विवशता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।लीला के प्रसंग में दिखाया गया कि भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के वन जाने के बाद अयोध्या नरेश राजा दशरथ शोक में डूब जाते हैं। वह रनिवास में शैया पर पड़े बार-बार ‘हा राम, हा राम’ का उच्चारण करते रहते हैं। पुत्र वियोग में उनकी हालत लगातार बिगड़ती जाती है। इस दौरान उन्हें अपने युवावस्था का वह प्रसंग याद आता है, जब शिकार के लिए निकले राजा दशरथ ने शब्दभेदी बाण चलाकर श्रवण कुमार को घायल कर दिया था, जिससे उनकी मृत्यु हो गई थी।

श्रवण कुमार के अंधे माता-पिता ने पुत्र की मृत्यु से दुखी होकर राजा दशरथ को श्राप दिया था कि जिस प्रकार उन्हें पुत्र वियोग सहना पड़ रहा है, उसी प्रकार दशरथ की मृत्यु भी पुत्र वियोग में होगी। रामलीला में इस श्राप के फलीभूत होने का प्रसंग मार्मिक तरीके से दिखाया गया। अंततः भगवान श्रीराम का नाम लेते हुए राजा दशरथ के प्राण निकल जाते हैं।इसके बाद ‘राम नाम सत्य है’ की धुन के बीच गाजे-बाजे के साथ राजा दशरथ की शव यात्रा पूरे नगर में निकाली गई। वहीं, राम-लक्ष्मण-जानकी के गंगापार जाने का प्रसंग भी रंगमंच पर प्रस्तुत किया गया। गुरु वशिष्ठ द्वारा भरत और रिपुदमन को ननिहाल से बुलवाने तथा दिवंगत राजा दशरथ का अंतिम संस्कार कराए जाने का प्रसंग भी लीला का हिस्सा रहा।मंचन में राजा दशरथ की भूमिका लकी दुबे, गुरु वशिष्ठ की आकाश शार्डिल्य, सुसंत्र की प्रमोद विदुआ, केवट की रुचिर रस्तोगी और निषादराज की विककी दुबे ने निभाई। समाजी राधारमण गुबरेले और व्यास अमित नगाइच ने दोहों एवं चौपाइयों के माध्यम से लीला को आगे बढ़ाया। सांकेतिक विभाग की जिम्मेदारी अतुल सोनी,दीपक मिश्रा ने संभाली।रामलीला समिति के अध्यक्ष राजीव पटेल, मंत्री शैलेश सोनी,अभिनय विभाग अध्यक्ष पुरुषोत्तम दास रिछारिया,मंत्री सुधीर सोनी,गस्त विभाग अध्यक्ष राधेन्द्र तिवारी, सीनरी विभाग के संतोष तिवारी,पवन अग्रवाल, पात्र श्रृंगार विभाग के रूपेश सोनी,संजीव सरस आदि ने अपनी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी अंजाम दिया।



उरई-जालौन मार्ग पर आवारा जानवर राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बने बड़ी मुसीबत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई। उरई-जालौन मार्ग पर आवारा जानवर राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ी मुसीबत बनते जा रहे हैं। भिटारा के समीप पहले दो वाहनों की टक्कर में अनियंत्रित डंपर खेतों में जाकर पलट गया। वहीं, आवारा जानवर को बचाने के प्रयास में ई-रिक्षा अनियंत्रित होकर चालक समेत सड़क किनारे खंदक में जा गिरा।



जालौन से ई-रिक्षा चालक पप्पू अपना ई रिक्षा लेकर भिटारा की ओर जा रहा था। जब वह भिटारा के पास पहुंचा तभी अचानक से सड़क पर आए आवारा जानवर को बचाने के प्रयास में वह ई रिक्षा पर नियंत्रण नहीं रख सका और ई रिक्षा समेत वह सड़क किनारे खंदक में गिर गया। हालांकि चालक हादसे में बाल बाल बच गया। राहगीरों की मदद से ई रिक्षा को बाहर निकाला गया। इससे पहले फिरोजाबाद निवासी विवेक शर्मा डंपर में उरई से बालू लेकर इटावा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रही गाड़ी के सामने अचानक आवारा जानवर आने से उसने ब्रेक लगा दिए। पीछे चल रहे चालक ने डंपर को नियंत्रित करने का प्रयास किया लेकिन वह टक्कर मारता हुआ सड़क से उतरकर खेतों में जाकर पलट गया। हालांकि डंपर चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह बाल बाल बच गया। वहीं, दूसरी गाड़ी का चालक अपना वाहन लेकर चला गया।

केवट संवाद लीला ने किया भावविभोर, भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलने का दिया संदेश

(यंग भारत न्यूज)

कोटरा-उरई। कस्बा कोटरा के गणेशगंज स्थित श्री बिहारी जी मंदिर परिसर में दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित रामलीला में केवट संवाद लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने भगवान श्रीराम और केवट के बीच हुए संवाद को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। लीला के माध्यम से प्रभु श्रीराम की करुणा, विनम्रता और भक्त के प्रति प्रेम का सुंदर संदेश दिया गया।



रामलीला की प्रथम आरती समाजसेवी मानवेन्द्र सिंह गौर (माना प्रधान), गोकुल झांसी द्वारा उतारी गई। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की रामलीला हमें भारतीय संस्कृति, संस्कारों और आदर्शों से जोड़ने का कार्य करती है। भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन त्याग, मर्यादा, प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए तथा माता-पिता की सेवा और सम्मान करना चाहिए।रामलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को अच्छे संस्कार देने और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से परिचित कराने का सशक्त माध्यम भी है। रामलीला के मंचन के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाए और भक्तिमय वातावरण में लीला का आनंद लिया।

राम लीला में आज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित नगर की ऐतिहासिक एवं विश्व प्रसिद्ध रामलीला में आज 15 अक्टूबर दिना गुरुवार को रामलीला रंगमंच पर रात्रि ठीक 8 बजे जयंत की आंख फूटता,अनुसुइया उपदेश, सरभंग व अगस्त आश्रय गमन लीला सम्पन्न होगी।इतक जानकारी मूर्ती श्रृंगार विभाग के कृष्णकुमार सोनी,राजीव सोनी,रामजी सोनी ने संयुक्त रूप से दी।



तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क किनारे खाई में गिरी कार चालक व उसका साथी बाल बाल बचे

(यंग भारत न्यूज)



जालौन-उरई। बंगरा-जालौन मार्ग पर सुढ़ार के पास तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसे में कार चालक व उसका साथी बाल बाल बच गए।

बुधवार की दोपहर एक नई कार बंगरा की ओर से जालौन की ओर आ रही थी। तेज रफ्तार कार जब ग्राम सुढ़ार के पास पहुंची। तभी चालक अपना संतुलन खो बैठा और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। कार के खाई में गिरते ही वहां लोगों की भीड़ जुट गई। राहगीरों की मदद से कार सवार युवकों को बाहर निकाला गया। हालांकि हादसे में कार सवार दोनों युवक बाल बाल बच गए। बाद में क्रेन को मंगवाया गया और क्रेन की मदद से कार को खाई से बाहर निकलवाया गया।

लाखों रुपये की लागत से बना आरआरसी सेंटर रास्ता खराब होने के कारण बंद

(यंग भारत न्यूज)



जालौन-उरई। विकास खंड के ग्राम कुठौंदा बुजुर्ग में लाखों रुपये की लागत से बना आरआरसी सेंटर रास्ता खराब होने के कारण बंद है। जिससे कचरे का परिवहन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीण ने रास्ता बनवाए जाने की मांग अधिकारियों से की है।

कुठौंदा बुजुर्ग निवासी गजेंद्र सिंह सेंगर ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आरआरसी सेंटर का निर्माण कराया गया था। इसका उद्देश्य गांव से एकत्र होने वाले कचरे का उचित निस्तारण कर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना है। इसके लिए सरकार की ओर से लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खराब होने से इसका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। बारिश में यहां तक पहुंचने का रास्ता खराब हो गया था। तबसे केंद्र तक कचरा नहीं पहुंच पा रहा है। जिसके चलते आरआरसी सेंटर फिलहाल बंद चल रहा है। केंद्र का नियमित संचालन प्रभावित होने से गांव में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

संतकबीर आश्रम के पास स्थित सरकारी हैंडपंप महीनों से खराब

(यंग भारत न्यूज)



[illegible]

नई दिल्ली। भारत के जाने-माने एथनोलिक्स कोच मोहम्मद युनुस खान को डोपिंग नियमों के कठोर उल्लंघन में शामिल होने के आरोप में अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। खान ने लंबी दूरी के घबक गुलबरो मिठ को उनके शुरुआती करियर में प्रशिक्षण दिया था। पूर्ण स्थित प्रतिस्ठिना सेना खेल संस्थान (एसएसआई) में मध्यम और लंबी दूरी के धाककों को प्रशिक्षण देने वाले खान पर राष्ट्रीय डोपिंग रेगुलेशन (राष्ट्र) ने अपने नियमों के अनुच्छेद 2.9 के तहत आरोप लगाया है।

वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज गेंगफान रदरफोर्ड ने अभी तक 189 वेस्टइंडीज टेस्ट से 172 रन बनाए हैं। उन्होंने तीन मैचों में 12 शतक जड़े हैं। कप्तान शाह शेप ने 182 की स्ट्राइक से 159 रन बनाए हैं। विश्व चैंपियन पाट ने उसकी शरीर पर हगाने के लिए हल्लो की वेस्टइंडीज को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में मैट रेनोल्ड्स द्वारा खेले गए 190 रनों की लायकवासी पारी के मुद्दे 300 रन बनाए, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 284 रन की हार खाई। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह पहली पारी के अंतर पर 280 रनों की बहुत हासिल की। इसमें बल्लेबाजी दमिया। ऑस्ट्रेलिया की मैट रेनोल्ड्स की 82 और जिकमिनेट द्वारा पारी के 48 रनों की पारी के अंतर पर 6 विकेट खोकर 314 रन बनाने के बाद पारी को खिताब किया और साउथ अफ्रीका के रनबाज 421 रनों का लाइन रहा।



मिशन शक्ति अभियान के तहत स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित, विद्यार्थियों ने दिया नारी सम्मान का संदेश

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान में 75 से अधिक विद्यार्थियों ने स्लोगन के माध्यम से महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बुधवार को बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

शारदीय नवरात्र के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के 75 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, नारी सम्मान, सुरक्षा, समानता और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंगों और रेखाओं के माध्यम से नारी गरिमा तथा महिलाओं के अधिकारों से संबंधित विभिन्न संदेशों को उकेरा। पोस्टरों में नारी सम्मान, बालिकाओं की शिक्षा, महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की समान भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषय प्रमुखता से दिखाई दिए। विद्यार्थियों ने अपने चित्रों के साथ प्रेरेक स्लोगनों का भी प्रयोग किया, जिनके माध्यम से समाज को महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने

तथा उनके अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कला के माध्यम से समाज में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा युवा पीढ़ी को सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति प्रेरित करना रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की भागीदारी ने यह प्रदर्शित किया कि रचनात्मक अभिव्यक्ति सामाजिक परिवर्तन और जनजागरण का प्रभावी माध्यम बन सकती है। पोस्टरों के माध्यम से प्रतिभागियों ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि महिलाओं की सुरक्षा केवल किसी एक संस्था या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। इस अवसर पर ललित कला संस्थान की समन्वयक डॉ. श्वेता पाण्डेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश शासन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान

विषयों पर चिंतन करने की प्रेरणा भी मिलती है। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित यह स्लोगन प्रतियोगिता दस दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा रही। इस श्रृंखला के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों और स्वावलंबन से संबंधित विषयों पर जागरूकता प्रसारित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि महिला सशक्तीकरण के लिए केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक स्तर पर महिलाओं के अधिकारों रक्षा और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस प्रयास भी आवश्यक हैं। कार्यक्रम में डॉ. अजय कुमार गुप्ता, गजेन्द्र सिंह, डॉ. रानी शर्मा एवं डॉ. अंकिता शर्मा सहित संस्थान के शिक्षकगण और छात्र वोलेंटियर्स चांदनी, वैष्णवी, करन , चंचल, निशा, आकांक्षा, जयश्री, इत्यादि के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे और अपनी प्रतिभा को कलात्मक स्वरूप प्रदान करने में अपना सहयोग दिया। सभी प्रतिभागियों ने महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस गतिविधि में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

पटकाना पंडाल में माँ काली के अलौकिक दर्शन के लिए उमड़ रहे भक्त

(यंग भारत न्यूज)

गुरसराय(झांसी) - नवरात्र के चौथे दिन बुधवार को मंदिरों व पांडालों में मां कूष्मांडा की पूजा अर्चना की गयी। नगर के तालाब माता मन्दिर, कटरा बाजार, नई बस्ती, नारायणपुरा, बाजार, परकोटा, टीचर्स कॉलोनी, गुराई बाजार, मातवाना सहित अन्य जगहों पर मां की पूजा-अर्चना के साथ आरती कर भक्तों ने मां से आशीर्वाद मांगा।वही गुरसराय की ऐतिहासिक माँ काली पूजा पंडाल पटकाना में माँ काली की भव्य और अलौकिक प्रतिमा के दर्शन के लिए भक्तों का सैलाब दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही चला जा रहा है। सुबह से ही यहाँ दर्शन के लिए दूर-दराज से भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो देर रात तक जारी रहा।पंडाल में पहुँचे श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ माँ काली के दरबार में हाजिरी लगाई और परिवार की सुख-समृद्धि व कल्याण की कामना की। इस दौरान भक्त भव्य पंडाल व मां काली की प्रतिमा देखने के लिए लंबी कतारबद्ध लगे रहे।जैसे ही आरती प्रारंभ हुई सभी भक्तों ने मां काली के चरणों में शीश झुकाकर आशीर्वाद मांगा।विधिवत पूजन अर्चन पुजारी अभिनव शास्त्री द्वारा



कराया गया।पूजन उपरांत माँ काली जी की भव्य दिव्य आरती की गयी।पंडाल में भारी भीड़ को देखते हुए कमेटी की ओर से पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गयी है, ताकि दूर मौजूद भक्त भी दर्शन का लाभ ले सकें। माँ काली के धार्मिक जयकारों से आसपास का इलाका गुंजायमान बना

जी,गोलू पालीवाल, राज सेंन, अचेत जैन, सौरभ अग्रवाल, हिमांशु विश्वकर्मा, हर्ष व्यास, कुनाल रैकवार, हनी नामदेव, शैलू माली, उदित कुमार, अमन विश्वकर्मा, जय झा, रामजी सेन, आशू नामदेव, रोहित नामदेव, साहिल लक्षकार, संस्कार कुशवाहा सहित सैकड़ों श्रद्धालुगण और बड़ी संख्या में माँ काली के भक्त उपस्थित रहे।

देश में अस्थिरता और भ्रम फैला रहे राहुल; जगदम्बिका पाल ने साधा निशाना

बस्ती: डुमरियागंज से भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर सांसद और वक्फ जेपीसी के पूर्व चेयरमैन जगदम्बिका पाल ने विपक्ष और विशेष तौर पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है. कहा है कि संविधान देश की सर्वोच्च संस्था है और इसके दायरे में रहकर ही काम किया जाना चाहिए, लेकिन देश के मुख्य विपक्षी दल और उनके नेता संसद की गरिमा को तार-तार कर रहे हैं. आरोप लगाया कि राहुल गांधी सदन की कार्यवाही में आते ही नहीं हैं और यदि कभी आते भी हैं तो केवल पांच मिनट के लिए हंगामा करने के बाद सदन छोड़कर चले जाते हैं. यदि किसी को देश की जनता ने नेता प्रतिपक्ष बनने का बड़ा अवसर दिया है तो उसकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह पार्लियामेंट और विधायिका के भीतर जनसमस्याओं और देश के कानूनों पर गंभीर चर्चा करे. पिछला पूरा सत्र जिस तरह से वाश आउट हुआ, उसकी पूरी जिम्मेदारी अकेले राहुल गांधी और उनके नेतृत्व वाले विपक्ष की है.

सांसद पाल ने राहुल गांधी के हाथ में संविधान की प्रति लेकर घूमने पर तंज कसा. कहा कि यदि उन्हें वास्तव में संविधान की बुनियादी जानकारी होती तो शायद भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ होता कि विपक्ष का कोई बड़ा नेता किसी राजनीतिक या नीतिगत मुद्दे को लेकर सीधे सुप्रीम कोर्ट मार्च कर दे. या मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन देने की बात कहे. उन्होंने याद दिलाया कि भारतीय संविधान में शक्तियों का स्पष्ट विभाजन यानी सेपरेशन ऑफ पावर्स का सिद्धांत तय है, जिसके तहत न्यायपालिका का काम विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों की व्याख्या करना है और इसके नियम बिल्कुल अलग हैं. यदि विपक्ष को किसी भी कानून पर कोई ऐतराज है तो उसके लिए देश की सर्वोच्च पंचायत यानी संसद का मंच मौजूद है. अपने खुद के कार्यकाल का उदाहरण देते हुए बताया कि जब वे वक्फ कानून को ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के चेयरमैन थे, तब उस महत्वपूर्ण कानून पर लोकसभा में प्रंदह घंटे और राज्यसभा में सोलह घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद ही आगे की प्रक्रिया पूरी की गई थी. संसद के बजाय सड़कों पर हो रहे प्रदर्शनों को लेकर जगदम्बिका पाल ने विपक्ष पर देश में अराजकता और हड़दंग का माहौल पैदा करने का गंभीर आरोप लगाया. कहा कि न्यायपालिका या अन्य मुद्दों को लेकर दिल्ली की सड़कों पर रास्ता जाम करना और अराजकता फैलाना किसी भी जिम्मेदार राजनीतिक दल का काम नहीं हो सकता. देश की जनता ने विपक्ष की इन नकारात्मक नीतियों को पूरी तरह से नकार दिया है, चाहे वह समाजवादी पार्टी हो, कांग्रेस पार्टी हो, राष्ट्रीय जनता दल हो या फिर कम्युनिस्ट पार्टियां हों. आज ये सभी दल मिलकर केवल एक ही राग अलाप रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि इनके पास जनता के हितों से जुड़ा कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है. उत्तर प्रदेश की स्थानीय राजनीति पर बात करते हुए सांसद पाल ने समाजवादी पार्टी पर भी कड़ा प्रहार किया. विश्वास जताने हुए कहा कि जिस तरह से देश की जनता ने नरेंद्र मोदी ने नेतृत्व में भाजपा को भारी बहुमत दिया था, वैसी ही ऐतिहासिक जीत आगामी 2029 के लोकसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर दर्ज की जाएगी. दावा किया कि उत्तर प्रदेश में चुनाव से ठीक तीन महीने पहले समाजवादी पार्टी के विधायकों का पार्टी छोड़कर लगातार भारतीय जनता पार्टी में शामिल होना इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि राज्य में समाजवादी पार्टी का जनादेश अब पूरी तरह से समाप्त होने की कगार पर पहुंच चुका है.



किसान मोर्चा की कमान फिर कृष्ण चंद्र तिवारी के हाथ, कार्यकर्ताओं में दौड़ी खुशी की लहर

(यंग भारत न्यूज)

समथर । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने संगठनात्मक फेरबदल के तहत एक बार फिर कृष्ण चंद्र तिवारी पर भरोसा जताते हुए उन्हें झारखी ग्रामीण का किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष घोषित किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति से सोमवार (12 अक्टूबर) को जारी हुई नई सूची में उनके नाम की आधिकारिक घोषणा की गई। कृष्ण चंद्र तिवारी को दोबारा यह अहम जिम्मेदारी मिलने से भाजपा कार्यकर्ताओं और किसान मोर्चा के पदाधिकारियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कृष्ण चंद्र तिवारी से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने तथा किसानों की समस्याओं को प्रमुखता के साथ शासन-प्रशासन तक पहुंचाने की गहरी अपेक्षा की जा रही है। उनको इस नियुक्ति को जिले में किसान मोर्चा की गतिविधियों को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। घोषणा के उपरांत नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कृष्णचंद्र तिवारी ने प्रदेश नेतृत्व से मुलाकात कर अपना आधार व्यक्त किया। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष कृष्णचंद्र तिवारी ने कहा, ' पार्टी नेतृत्व ने मुझ पर पुनः विश्वास जताकर जो बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ। किसानों के हितों की रक्षा करना, उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाना, तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर खेत और हर किसान तक पहुंचाना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। '



माचिस की तीली-सा जीवन

-कहने को एक छोटी-सी चिंगारी और अस्तित्व का पूरा अर्थ बदल जाता है..

(यंग भारत न्यूज)

ये जीवन भी कितना विचित्र है न दोस्तों ! कभी बुझी हुई राख-सा शांत.....! कभी सुलगते हुए अंगारे सा बचेन और कभी माचिस की तीली सा जो दूसरों के अंधेरे दूर करने के लिए स्वयं को जलाने से भी नहीं हिचकिचाता।

माचिस को एक छोटी-सी तीली.....! देखने में कितनी साधारण! लकड़ी का एक छोटा-सा टुकड़ा, जिसके एक सिरे पर ज्वलनशील पदार्थ लगा होता है। किंतु जब वह किसी खुरदरी सतह से टकराती है, तो क्षण भर में अग्न का रूप धारण कर लेती है। उसकी चमक बहुत देर तक नहीं रहती, लेकिन उस छोटे-से समय में वह किसी बुझते चूल्हे को जीवन दे सकती है, किसी अंधेरे कमरे को रोशन कर सकती है और किसी ठिठुरते व्यक्ति के लिए ऊष्मा का माध्यम बन सकती है। मनुष्य का जीवन भी कुछ ऐसा ही है। हमारा अस्तित्व अथवा कितना लंबा है, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हमारे होने से किसी के जीवन में कितना प्रकाश आया। जीवन इस की लंबाई को नापने में इतने व्यस्त रहते हैं कि उसकी सार्थकता क्या है भूल ह जाते हैं। वर्षों तक जीवित रहना और किसी के हृदय में जीवित रहना दोनों में बहुत अंतर है। कुछ लोग लंबा जीवन जोकर भी समय की धूल में खो जाते हैं, जबकि कुछ कम समय में ही अपने कम कीं केशी लौ जला जाते हैं, जो उनके जाने के बाद भी बुझती नहीं। अर्पित दूसरों के लिए पथ प्रदर्शक बनती है।

माचिस की तीली तब तक अपनी अग्नि से अनजान रहती है, जब तक उसका किसी सतह से घर्षण नहीं होता। ठीक उसी प्रकार मनुष्य के भीतर छुपी क्षमताएँ भी परिस्थितियों के संघर्ष में सामने आती हैं। सुख के दिनों में तो हर कोई सुस्कारता है, किंतु विपरीत परिस्थितियाँ ही तो हैं जो बताती हैं कि हमारे भीतर कितना साहस, कितना धैर्य और कितनी जीवन्ता अभी बाकी है। कभी असफलता हमें भीतर तक झकझोर देती है, कभी अपनों की उपेक्षा आत्मविश्वास को तोड़ने लगती है और कभी समय ऐसे प्रश्नों के सामने खड़ा कर देता है, जिनके उत्तर हमारे पास नहीं होते।

किन्तु यहाँ यह विचार महत्वपूर्ण है कि, क्या हर टकराव हमें तोड़ने के लिए ही आता है..... ???? ? नहीं.....!! कुछ टकराव हमारे भीतर सोई हुई क्षमता को जगाने आते हैं। कुछ अस्वीकृतियाँ हमें अपनी योग्यता पहचानने का अवसर देती हैं और कुछ कठिनाइयाँ हमारे व्यक्तित्व को ऐसी दृढ़ता प्रदान करती हैं, जो सहज परिस्थितियों में शायद संभव न हो पाएँ...!

अंतर सिर्फ इतना है कि हम उस घर्षण को अपनी समाप्ति मान लेते हैं या फिर अपने भीतर छुपी अग्नि को पहचानने का अवसर.....! दूसरों के लिए जलना और स्वयं को राख कर लेना दोनों अलग-अलग बातें हैं। माचिस की तीली का जीवन क्षणिक होता है। वह जलती है और धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है। उसके पीछे केवल एक जला हुआ अवशेष रह जाता है। मनुष्य के जीवन में भी ऐसे ही न जाने कितने लोग मिलते हैं, जो दूसरों की आवश्यकताओं को पूरा करते-करते अपनी इच्छाओं, सपनों और खुशियों को भुला देते हैं। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपना सर्वस्व जीवन सुख इच्छाएं सब समर्पित कर देते हैं। प्रत्येक व्यक्ति अपने अलग अलग समय सीमा निश्चित समर्पित है। माना कि ऐसे समर्पण जीवन को सुंदर



बनाते हैं किंतु ! यहाँ एक प्रश्न यह भी उठता है क्या दूसरों को प्रकाश देने के लिए हमारे स्वयं का पूरी तरह मिट जाना आवश्यक है क्या..... ???? ? दोस्तों! त्याग की सुंदरता तभी तक है, जब तक वह विवेक से जुड़ा है। स्वयं को उपेक्षा बन जाने पर वही त्याग पीड़ा का कारण बन जाता है। माचिस की तीली का उदाहरण हमें दूसरों के लिए उपयोगी होने की प्रेरणा अवश्य देता है, किंतु यह भी समझना होगा कि मनुष्य सिर्फ दूसरों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए ही पैदा नहीं हुआ। उसके अपने कुछ सपने भी हैं, अपनी संवेदनाएँ भी हैं और अपने अस्तित्व का भी एक मूल्य है।

दूसरों के जीवन में उजाला भरिए, किंतु अपने भीतर की रोशनी को भी सँभालकर रखिए। प्रेम कीजिए, पर अपने आत्मसम्मान को कीमत पर नहीं...सहयोग कीजिए पर इस सीमा तक नहीं कि आपकी अपनी पहचान ही मिट जाए.....!!

चुका हो, वह दूसरों को सहारा देते हुए भी स्वयं भी तो एक दिन थकेगा.....!! छोटी-सी चिंगारी बड़े परिवर्तन का आरंभ हो सकती है।

हम अक्सर बड़े बदलावों की प्रतीक्षा करते हैं। सोचते हैं कि जब पर्याप्त साधन होंगे, जब परिस्थितियाँ अनुकूल हो जाएंगी। जब लोग हमारा साथ देंगे, तभी कुछ कर पाएँ।

लेकिन माचिस की तीली हमें बताती है कि आरंभ करने के लिए विशाल आकार आवश्यक नहीं होता।एक छोटा-सा विचार भी किसी व्यक्ति की दिशा बदल सकता है। किसी निराश व्यक्ति के प्रति कहे गए दो आत्मीय शब्द उसके भीतर जोने की आशा जगा सकते हैं। किसी बच्चे को दिया गया प्रोत्साहन उसके आत्मविश्वास की नींव बन सकता है। किसी अन्याय के विरुद्ध उठाई गई एक आवाज अनेक लोगों के साहस का कारण बन सकती है। इसलिए अपने अस्तित्व को कभी छोटा मत समझिए। यह मत सोचिए कि आपके अकेले के प्रयास से क्या होगा। एक दीपक दूसरे दीपक को जलाता है, तो प्रकाश कम नहीं होता, बढ़ता है। इसी प्रकार सद्भावना,ज्ञान और सकारात्मक विचारों का प्रसार भी समाज को समृद्ध करता है। हाँ, एक बात याद रखनी चाहिए। चिंगारी का प्रभाव इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा है। वही आग भोजन पका सकती है और जरा सी असावधानी में विनाश भी कर सकती है। हमारे शब्द, विचार और कर्म भी ऐसे ही हैं।

उनमें यदि किसी को सँभालने की शक्ति है, तो किसी का आत्मविश्वास तोड़ देने की अपार क्षमता भी। इसलिए मात्र प्रभावशाली होना पर्याप्त नहीं, अपने प्रभाव के प्रति उत्तरदायी होना भी आवश्यक है.....! जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यही है। माचिस को एक डिब्बी में अनेक तीलियाँ होती हैं, लेकिन प्रत्येक तीली के जलने की अलग अलग समय सीमा निश्चित है। कोई जल्दी जल जाती है, कोई देर से। कोई उपयोग

में आती है, तो कोई डिब्बी में ही रह जाती है। मनुष्य भी अपने जीवन की तुलना दूसरों से करता रहता है। कोई कम उम्र में सफलता प्राप्त कर लेता है, कोई वर्षों के संघर्ष के बाद अपनी मंजिल तक पहुँचता है। किसी को अवसर सहज मिल जाते हैं, तो किसी को अपने हिस्से का आकाश पाने के लिए न जाने कितनी ही बाधाओं से गुजरना पड़ता है। दूसरों से स्वयं तुलना की यही आदत हमें अपनी उपलब्धियों और प्रसन्नता से वंचित कर देती है। हम यह भूल जाते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति की परिस्थितियाँ, क्षमताएँ और जीवन-यात्रा अलग हैं। किसी की सफलता देखकर स्वयं को असफल मान लेना वैसा ही है, जैसे एक तीली दूसरी तीली से पूछे कि तुम पहले क्यों जलीं और मैं बाद में क्यों.... ???? ? दोस्तों! यह जीवन कोई प्रतियोगिता नहीं, जिसमें सभी को एक ही समय पर एक ही मंजिल तक पहुँचना हो। जीवन तो अपनी संभावनाओं को पहचानने, अपने अनुभवों से सीखने और अपने हिस्से के समय को सार्थक बनाने की यात्रा है। इसलिए दूसरों की चमक से ईर्ष्या करने के स्थान पर अपनी क्षमताओं को पहचानिए। हमारे भीतर भी कोई न कोई ऐसी विशेषता अवश्य है, जो हमें विशिष्ट बनाती है।

एक प्रश्न स्वयं से भी अवश्य पूछिएगा.....!

जब एक माचिस की तीली जलते हुए अधिक समय तक अपने अस्तित्व को बचाकर नहीं रख सकती। उसका उद्देश्य पूरा होते ही उसकी अग्नि समाप्त हो जाती है। तो हमारे जीवन की निश्चितता का संभावना कैसे हो सकती है। हममें से किसी को नहीं मालूम कि समय ने हमारे लिए कितने दिन लिखे हैं। फिर भी हम जीवन का बड़ा हिस्सा उन बातों में गँवा देते हैं, जो अंततः हमारे साथ नहीं जाएंगी। दूसरों से अंग निकलने की होड़, छोटी-छोटी बातों पर ओहो, पुरानी शिकायतें, अनावश्यक ईर्ष्या और उन लोगों को प्रसन्न करने की प्रयास, जिन्हें हमारी सच्चाई से अधिक हमारी उपयोगिता से मतलब है। हम प्रेम को कल पर टालते हैं, क्षमा को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेते हैं और अपनों के साथ बिताए जा सकने वाले सुंदर क्षणों को व्यर्थ की व्यस्तताओं में गँवा देते हैं।

और फिर.....! एक दिन पीछे मुड़कर देखते हैं, तो समझ आता है कि जीवन सिर्फ उपलब्धियों का संग्रह नहीं था। यह तो उन संघर्षों का नाम भी था, जिन्हें हम समय दे सकते थे।उन सपनों का नाम भी था, जिन्हें हम साहस और धैर्य रख पूरा कर सकते थे और उन खुशियों का नाम भी था, जिन्हें हम छोटी-छोटी बातों में खोज सकते थे....!

इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारी लौ कितनी देर तक जलती रही। प्रश्न यह है कि उस वक़्त जल रही थी, तब उसने क्या किया..... ????

दोस्तों एक दिन राख तो हम सभी ने होना है किंतु अपने बाद मात्र राख नहीं, अपनी सार्थकता छोड़ जाइए। माचिस की तीली का जीवन छोटा है, लेकिन उसका संदेश गहरा है। वह हमें सिखाती है कि अस्तित्व का मूल्य आकार से नहीं, उपयोगिता से तय होता है। परिस्थितियों का घर्षण हमारी क्षमताओं को जगा सकता है और एक छोटी-सी चिंगारी भी अंधेरे को चुनौती दे सकती है।

और शायद जीवन का सबसे सुंदर सत्य यही है— तीली की उम्र भले ही कुछ क्षणों की हो, लेकिन उससे जला दीपक रात भर उजाला कर सकता है। इसलिए जीवन को सिर्फ काटिए नहीं, इसे किसी के लिए जीने योग्य भी बनाइए।

सीमा शर्मा 'तमना'

नोएडा उत्तर प्रदेश

नीला ड्रम केस; मुस्कान और साहिल कैसे पहुंचे अपने अंजाम तक, सुनिए DGC की जुबानी

(यंग भारत न्यूज)

मेरठ: बहुचर्चित नीला ड्रम केस में आज बुधवार को मेरठ की जिला अदालत ने अपना फैसला सुना दिया है. करीब एक साल पहले हुए सौरभ हत्याकांड में दोषियों ने जिस बेरहमी का परिचय दिया था, उसमें आम जन भावन यही थी कि उन्हें मृत्युदंड मिलना चाहिए. इस केस को अंजाम तक पहुंचाने और दोष्यों को फांसी की सजा दिलाने में शासकीय अधिवक्ता केके चौबे का भी अहम रोल रहा.

इंग्लैंड से लौटे सौरभ की हत्या को कैसे अंजाम दिया गया, कैसे साक्ष्य छिपाने की कोशिश की गई, किस तरह मजबूत पैरवी के कारण यह फैसला आया, इस पर डीजीसी केके दुबे विस्तार से बताते हैं. डीजीसी केके दुबे कहते हैं कि सौरभ हत्याकांड बेहद ही जघन्य था. मेरठ में अपनी तरह बेहद ही क्रूरतम हत्याकांड. इस मामले में अभियोजन की तरफ से न्यायालय में बेहद ही मजबूती के साथ वाद को प्रस्तुत किया गया. एक-एक कड़ी को जोड़ते हुए हत्यारोपियों के विरुद्ध साक्ष्य जुटाए गए. क्योंकि ये बहुत ही परिस्थितिजन्य साक्ष्य का केस था. कोई भी इस पूरे केस में चरमदीय साक्ष्य तक नहीं था, जिससे इस केस को सिद्ध कर दोषियों को सजा तक पहुंचाना बड़ी चुनौतीपूर्ण था. इस हत्या की सभी कड़ियों को एक से दूसरे तक जोड़ते हुए इसे कोर्ट में प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद ये निर्णय आया है कि कोर्ट ने दोषी मुस्कान और साहिल को मृत्युदण्ड की सजा सुनाई है. जिला शासकीय अधिवक्ता फ़ौजदारी कृष्णकांत चौबे ने बताया, पहले मुस्कान ने सौरभ को खाने में शरीला पदार्थ खिलाया. उसके बाद अपने प्रेमी को अपने घर पर रात के अंधेरे में बुलाया और फिर सौरभ की हत्या को अंजाम दिया गया. हत्या के बाद लाश को ठिकाने लगाने की कोशिश की गई. जिसके लिए मार्केट से एक बड़ी अटैची लाई गई, लेकिन ब्रीफकेश में सौरभ की लाश नहीं आई, वह छोटी पड़ गई थी. उस अटैची को जहां से खरीदा गया था, उसके भी बयान दर्ज कराए गए थे. वहीं अभियोजन पक्ष की और से उस ब्रीफकेश को अदालत में लाकर इस बारे में सत्यापन कराया गया था. जब सूटकेस में सौरभ को डेडबॉडी को रख पाते में सफल नहीं हुए तो फिर मुस्कान और साहिल ने लाश को ठिकाने लगाने के लिए नया तरीका खोजा. जिसमें साहिल और मुस्कान ने मार्केट से एक नीला ड्रम खरीदा और फिर मार्केट से रेत और सीमेंट भी खरीद लाए. सौरभ के शव को जिसे अलग-अलग टुकड़ों में किया गया था, उसे उसी नीले ड्रम में डालकर रेत और सीमेंट का घोल मिलाकर भर दिया गया था. जिससे हत्या की गई उन तमाम धारदार हथियारों को भी ड्रम में डाल दिया गया था. सभी को सीमेंट के घोल में भरकर छोड़ दिया था. सभी साक्ष्यों को पुलिस ने मजबूत तरीके से विवेचन करके गवाह के तौर पर कोर्ट में पेश किया था. जिला शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि जब सामान्य तौर पर किसी हॉस्पिटल या क्लिनिक में कोई ऑपरेशन किया जाता है, उस वक़्त जिस दवा का उपयोग होता है, उसी तरह की दवा का इस्तेमाल कर सौरभ को बेहोश किया गया था. जिस मेंडिडकल स्टोर से वह दवा खरीदी गई थी, उसको भी चिन्हित कर गवाह के तौर पर पेश किया गया था. इस तरह से दवा वाला, कबाड़ी वाला, जहां से नीला ड्रम खरीदा गया, साथ ही बर्तन वाला, जहां से चाकू खरीदा गया, ब्रीफकेस वाला, जहां से बड़ा सूटकेस खरीदा गया, सभी को पुलिस ने गवाह के तौर पर पेश किया था. अपराध को करने के बाद मुस्कान और साहिल दोनों नीले ड्रम में डेड बॉडी को घर में रखकर शिमला मनाली घूमने गए. जहां लगभग 13 से 14 दिन तक दोनों ने खूब सैर सपाटा किया. अलग-अलग जगह की सीसीटीवी फुटेज भी बाद में पुलिस ने बरामद किए थे. जिस कार को बुक करने को वापस देने गए, उस ड्राइवर को भी पुलिस ने गवाह के तौर पर अदालत में पेश किया था. उसके बाद 17 तारीख को ही दोनों वापस आए थे. ऐसे में मृतक के परिवार वालों को यही लग रहा था, क्योंकि लंदन से सौरभ आया है तो पत्नी के साथ कहीं घूमने गया है. उन्हें यह अहसास तक नहीं था कि सौरभ की हत्या हो चुकी है और घर में ही नीले ड्रम में उसे टुकड़ों में कर दिया गया है. परिवार के लोगों को यही लगा क्योंकि दोनों ने प्रेम विवाह किया है तो बहुत प्रेम है। कहीं घूमने गए हैं इसलिए जल्दी सौरभ वापस लौट आएगा.

